हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 297, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 29 अप्रैल, 2024 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

कांग्रेस देशहित से इतना दूर हो चुकी है कि उसे देश की उपलब्धियां अच्छी नहीं लगती : मोदी

पीएम ने कांग्रेस पर लगाया छत्रपति शिवाजी और रानी चिनम्मा का अपमान करने का आरोप

बंगलूरू। तीसरे चरण के मतदान के शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के बेलगावी में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देशहित से इतना दूर हो चुकी है कि उसे देश की उपलब्धियां अच्छी नहीं लगती। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को भारत की उपलब्धियों पर शर्म आती है।

हुबली हत्याकांड को लेकर भी पीएम मोदी ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस पर कटाक्ष किया है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर छत्रपति शिवाजी महाराज और रानी चिनम्मा का अपमान करने का आरोप भी लगाया है। रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "भारत जब मजबूत होता है तो हर भारतीय खुश होता है लेकिन कांग्रेस देशहित से इतना दूर हो चुकी है कि उसे देश की उपलब्धियां अच्छी नहीं लगती है। भारत की हर सफलता पर उन्हें शर्म आने लगी है। उन्होंने ईवीएम के बहाने पूरी दुनिया में भारत को बदनाम करने की कोशिश की।" पीएम मोदी ने बताया कि कांग्रेस मानसिक रूप से अंग्रेजों की गुलामी में ही जी रही थी।

उन्होंने कहा, "पिछले 10 वर्षों में भाजपा, एनडीए सरकार ने देश के नागरिकों की इज ऑफ लिविंग के लिए बहुत काम किया है। इसका बड़ा उदाहरण भारतीय न्याय संहिता है, कांग्रेस मानसिक रूप से अंग्रेजों की गुलामी में ही जी रही थी। अब भारत में न्याय संहिता में दंड को नहीं बल्कि न्याय देने को प्राथमिकता दी गई है।" कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि भारत के राजा, महाराजा अत्याचारी थे। वे गरीबों की जमीन छीन लेते थे। कांग्रेस के शहजादे ने छत्रपति शिवाजी महाराज, रानी चिनम्मा का अपमान किया है। कांग्रेस के शहजादे का बयान सोच-समझकर वोट बैंक की राजनीति करने के लिए, तुष्टीकरण के लिए दिया गया बयान है।" उन्होंने आगे कहा, "कांग्रेस के शहजादे को राजा, महाराजाओं का योगदान याद नहीं आता। वोट बैंक के लिए वे राजा, महाराजा के खिलाफ बोलते हैं लेकिन नवाबों, बादशाहों, सुल्तानों के खिलाफ उनमें एक शब्द बोलने की ताकत नहीं है। कांग्रेस की तुष्टीकरण की मानसिकता अब खुलकर देश के सामने आ रही है।" हुबली में कांग्रेस पार्षद की बेटी की हत्या मामले में पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी है। इस मामले में भी उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी को घेरा है।

पीएम मोदी ने कहा, "हुबली में कॉलेज कैंपस में जो हुआ उसने देश में भूचाल ला दिया है, उस बेटी का परिवार कार्रवाई की मांग करता रहा लेकिन कांग्रेस की सरकार तुष्टीकरण के दबाव को ही प्राथमिकता देती है।" कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके लिए नेहा जैसी बेटियों की जिंदगी की कीमत नहीं है, उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है। बेंगलुरु के कैफे में बम धमाका हुआ तो भी गंभीरता नहीं आई, उन्होंने यहां तक कह दिया कि गैस का सिलेंडर फटा होगा। कांग्रेस देश की जनता के आंखों में धूल क्यों झोंक रही है?

संदेशखाली मुद्दे पर जेपी नड्डा ने ममता सरकार को घेरा, बंगाल में 35 से अधिक सीटें जीतने का दावा

कोलकाता। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बाद ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने संदेशखाली मुद्दे पर ममता सरकार (टीएमसी) को घेरा। इसी के साथ उन्होंने दावा किया कि बंगाल में भाजपा 35 से भी अधिक सीटें जीतने वाली है। जेपी नड्डा ने कहा, "हमने देखा कि कैसे ममता बनर्जी की सरकार में टीएमसी के शाहजहां शेख जैसे लोग संदेशखाली में महिलाओं के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। महिलाओं की रक्षा के लिए संदेशखाली गए केंद्रीय जांच एजेंसियों पर हमला किया गया। संदेशखाली में जांच के दौरान सीबीआई ने तीन विदेशी रिवॉल्वर, पुलिस द्वारा इस्तेमाल की गई 1 रिवॉल्वर, 1 विदेशी पिस्तौल, कई गोलियां और कारतूस बरामद किए। एनएसजी के कमांडो भी लोगों की रक्षा के लिए संदेशखाली गए।" उन्होंने आगे कहा, "यहां से आप समझ सकते हैं कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार किस तरह अराजकता फैला रही है। जनता आपको इसका जवाब देगी। भाजपा यहां 35 से अधिक सीटें जीतने वाली है।" भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बंगाल की मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि ममता बनर्जी केंद्र में एक ऐसी सरकार चाहती हैं, जो आतंकवाद के लिए नरम हो।

राहुल के जातिगत आरक्षण खत्म करने के आरोपों पर बिफरे अमित शाह- भागवत, बोले- ये गुमराह करने की कोशिश

अहमदाबाद/गुजरात। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जातिगत आरक्षण को लेकर दिए बयान पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है, राहुल गांधी ने शनिवार को एक्स पर कहा था, 'भाजपा नेताओं और नरेंद्र मोदी के करीबियों के बयानों से अब साफ हो गया है कि उनका उद्देश्य है संविधान बदल कर देश का लोकतंत्र तबाह कर देना और दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का आरक्षण छीन कर देश चलाने में उनकी भागीदारी खत्म करना। लेकिन संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए कांग्रेस चट्टान की तरह भाजपा की राह में खड़ी है। जब तक कांग्रेस है वंचितों से उनका आरक्षण दुनिया की कोई ताकत नहीं छीन सकती।' अमित शाह ने पलटवार कर कहा, 'राहुल गांधी निराधार झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इस देश में 10 साल से भाजपा की सरकार चल रही है और दो बार पूर्ण बहुमत प्राप्त कर चुकी है। अगर भाजपा की मंशा आरक्षण को खत्म करने की होती तो अब तक हो चुकी होती। नरेंद्र मोदी ने पूरे देश के दलित, पिछड़े, आदिवासी भाई-बहनों को ये गारंटी दी है कि जब तक भाजपा है तब तक आरक्षण को कोई छू नहीं सकता। शाह ने आगे कहा, 'कांग्रेस पार्टी ने हमेशा एससी/एसटी और ओबीसी के आरक्षण पर हमला किया है। कर्नाटक में उनकी सरकार आई और चार प्रतिशत अल्पसंख्यक आरक्षण बनाया, किसका कोटा काट दिया गया? ओबीसी (आरक्षण) में कटौती की गई। आंध्र प्रदेश में उनकी सरकार आई, वहां भी उन्होंने पांच प्रतिशत अल्पसंख्यक आरक्षण किया। किसका कोटा काट दिया गया? ओबीसी (आरक्षण) में कटौती की गई। कांग्रेस ने हमेशा पिछड़े समाज का विरोध किया और आदिवासियों को न्याय दिलाने का काम कभी नहीं किया।' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संघ परिवार ने कुछ समूहों को दिए गए आरक्षण का कभी विरोध नहीं किया। संघ शुरू से ही संविधान के अनुसार सभी आरक्षणों का समर्थन करता रहा है। लेकिन कुछ लोग फर्जी वीडियो वायरल कर रहे हैं। एक शैक्षणिक संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो पूरी तरह गलत है। संघ का मानना है कि आरक्षण तब तक के लिए दिया जाना चाहिए जब तक इसकी जरूरत है। भागवत ने पिछले साल नागपुर में कहा था कि जब तक समाज में भेदभाव है, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा था कि समाज में भेदभाव मौजूद है, भले ही वह अदृश्य हो।

यूपीए की 10 साल की सरकार में भ्रष्टाचार का ओलंपिक खेल खेला गया : राजनाथ सिंह

अहमदाबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। यहां तक कि उन्होंने कांग्रेस को समाप्त करने की बात तक कह दी। सिंह ने कहा कि आजादी के समय महात्मा गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को समाप्त कर दिया जाए। अब जनता ने तय किया है कि महात्मा गांधी ने जो कहा था उसे पूरा किया जाए। वहीं, सबसे पुरानी पार्टी पर भ्रष्टाचार करने का भी आरोप लगाया। राजनाथ सिंह ने कहा, 'मौलिक अधिकारों का निलंबन कांग्रेस पार्टी के शासन के दौरान हुआ। यहां तक की चुनी गई प्रदेशों की सरकारों को अगर सबसे ज्यादा किसी ने परेशान किया है तो कांग्रेस ने किया है। अब तक अनुच्छेद 356 के तहत देश में 132 बार राष्ट्रपति शासन लगाया जा चुका है, जिसमें से 90 बार कांग्रेस ने लगाया है। अकेले इंदिरा गांधी ने सरकार गिराने में आधी सदी लगा दी थी और आरोप हम पर लगा रहे हैं कि हम लोकतंत्र का गला घोंट रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या हमारी सरकार ने एक भी चुनी प्रदेश की सरकार को गिराया है? एक भी ऐसी सरकार बताए। यह लोग लगातार कह रहे हैं कि हम लोग लोकतंत्र का गला घोंट कर रहे हैं।' इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि यूपीए की 10 साल की सरकार में भ्रष्टाचार का ओलंपिक खेल खेला गया और जो सबसे बड़ी आयोजक निकली वो कांग्रेस पार्टी थी। उन्होंने आगे कहा, 'आजादी के समय महात्मा गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को समाप्त कर देना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने उनकी बात नहीं सुनी। इसलिए मुझे लगता है कि अब जनता ने सोचा और तय किया है कि महात्मा गांधी ने जो भी कहा था उसे पूरा किया जाए... अब हमें इस कांग्रेस को समाप्त करना होगा, मुझे लगता है कि लोग भी कांग्रेस को समाप्त करने के लिए सहमत होंगे।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, '2014 में हम केवल 600 करोड़ रुपये की रक्षा वस्तुओं का निर्यात करते थे लेकिन इस बार हम 21,000 करोड़ रुपये से अधिक की रक्षा वस्तुओं का निर्यात करने में सफल रहे हैं। यह हमारी पहली बड़ी उपलब्धि है। मैं आपको बता दूं कि जल्द ही आप सभी को पता चल जाएगा कि हमारा यह आंकड़ा और आगे बढ़ने वाला है क्योंकि हमारा मतलब रक्षा वस्तुओं से है, मिसाइल हो, रक्षा हथियार हों या अन्य हथियार, टैंक हों, भारत में बनने चाहिए और भारतीयों के हाथ से बनना चाहिए ये हमारी सरकार का संकल्प है।

सत्ता से वंचित होने के बाद सपा-कांग्रेस, बसपा के लोग ऐसे तड़प रहे हैं, जैसे बिन पानी मछली : योगी

बरेली। बरेली के आंवला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सुभाष इंटर कॉलेज ग्राउंड में जनसभा कर आंवला लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं से संवाद किया। सीएम ने इस सीट से सांसद व भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी धर्मेंद्र कश्यप को पुनः दिल्ली में भेजने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंवला के ऐतिहासिक महत्व से अपना संवाद शुरू किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दस वर्ष में बदले भारत की तस्वीर रखी तो विपक्षियों के इंडी गठबंधन पर भी करारा प्रहार किया। सीएम ने कहा कि सत्ता से वंचित होने के बाद सपा-कांग्रेस, बसपा के लोग ऐसे तड़प रहे हैं, जैसे बिन पानी मछली तड़पती है। सीएम ने कहा कि कभी यक्ष ने धर्मराज युधिष्ठिर से 100 प्रश्न पूछे थे। हम सपा, बसपा व कांग्रेस से 10 प्रश्न पूछना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि कांग्रेस को 60-65 वर्ष, सपा-बसपा ने प्रदेश में तीन से चार बार शासन किया, फिर भी इन्होंने समस्याएं पैदा कीं। हम पूछना चाहते हैं कि देश के सामने पहचान, सुरक्षा का संकट पैदा करने वाले कौन हैं। देश को विकास से वंचित करने, भूखमरी से हुई मौतों का दोषी कौन, अन्नदाता किसानों की मौत का जिम्मेदार कौन, सपा-बसपा व कांग्रेस सरकार में तुष्टिकरण की घातक नीति के कारण हुए दंगे, निदोर्षों की मौत और व्यापारियों के

नुकसान का दोषी कौन, भ्रष्टाचार के कारण भारत के बाधित विकास का दोषी कौन, बेरोजगारी के कारण 2014 के पहले पलायन करने वाले नौजवानों के जीवन से खिलवाड़ करने का दोषी कौन, बिजली-पानी से जनता को वंचित करने का दोषी कौन। इतने दशकों तक शासन करने के बाद भी कांग्रेस, सपा व बसपा ने आस्था से खिलवाड़ किया, इसका दोषी कौन है।

चुनाव ड्यूटी पर जा रहे सुरक्षा बलों की बस में ट्रक ने मारी टक्कर, तीन की मौत, 12 घायल

गोपालगंज। गोपालगंज से सुपौल जा रही सुरक्षा बलों की तीन बसें दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। हादसे में एक बस के ड्राइवर और दो कांस्टेबल की मौत हो गयी। वहीं 12 से ज्यादा जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहिमा मोड़ के पास एनएच-27 के पास की है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से पांच एंबुलेंस और डॉक्टरों की टीम को मौके पर भेजा गया है। हादसे के बाद सदर अस्पताल को अलर्ट करते हुए घायलों का इलाज के लिए एंबुलेंस अस्पताल लाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस लाइन से तीन बसों में 242 महिला व पुरुष जिला बल के जवानों चुनाव की ड्यूटी कराने के लिए सुपौल जा रहे थे। सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहिमा के पास पहुंचे ही थे कि इसी दौरान यह हादसा हुआ। रास्ते में बरहिमा मोड़ के पास बस रोककर सभी नाश्ता कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार में आई कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में अशोक उरांव, दिग्विजय कुमार और पवन महतो की मौत हो गई। वहीं 12 दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हैं। बताया जा रहा कि हादसा इतना दर्दनाक था कि दो बसों के बीच में एक जवान फंस गए हैं और उन्हें निकालने की कोशिश घंटे तक होती रही। गोपालगंज के एसपी स्वर्ण प्रभात और डीएम मोहम्मद मकसूद आलम ने घटना का जायजा लिया और मौके पर राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर होने की बात कही है। डीएम और एसपी घायलों के इलाज की लगातार मॉनिटरिंग कर रहें हैं। इस हादसे के बाद बरहिमा मोड़ पर अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। रास्ते पर भीड़ इकट्ठा हो गई। आवागमन पूरी तरह प्रभावित होने लगा। इसी बीच स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। घायल सभी जवानों को इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया गया है।

इलेक्टोरल बॉन्ड ने बजाया बीजेपी का बैंड, पहले-दूसरे चरण का रुख देख 400 पार का नारा गायब : अखिलेश

बिलारी (मुरादाबाद)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने संभल लोकसभा सीट के बिलारी में चुनावी जनसभा में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे चरण में भाजपा के उम्मीदवारों को जनता ने नकार दिया है। रामपुर और मुरादाबाद में गठबंधन के उम्मीदवार जीतेंगे। भाजपा की सबसे ज्यादा वोटों से हार संभल सीट पर होगी। कहा कि यहां चुनाव विशेष परिस्थितियों में हो रहा है। सपा ने सबसे पहले घोषणा कर शफीकुर्रहमान बर्क साहब को टिकट दिया था। अब यह शफीकुर्रहमान बर्क साहब को श्रद्धांजलि देने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने चार सौ पार का नारा दिया। दूसरे चरण का चुनाव देखकर वह इसे भूल गए। पहले बीजेपी को हवा का रुख पता नहीं था। पहले और दूसरे चरण में जब उन्होंने जनता की भावना देखी तो उन्हें हकीकत पता लगा गया। किसानों को भाजपा ने भरोसा दिलाया था कि उनकी आय दोगुनी होगी। लेकिन केंद्र और राज्य सरकार ने उनकी फसल का सही दाम आज तक नहीं दिलवाया। डीजल- पेट्रोल महंगा हो गया है। खाद किसानों की पहुंच से बाहर हो गई है। कहा कि विकसित भारत के नाम पर प्रधानों से पैसा वसूला

गया। गठबंधन की सरकार आएगी तो एमएसपी कानून होने के साथ किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। भाजपा सरकार ने देश के बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया। लेकिन किसान के लिए कुछ नहीं किया। किसान खुशहाल होगा तो भारत विकसित होगा। सपा नेता ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड ने बीजेपी का बैंड बजा दिया है।

जंगलों की आग से झुलस गए पहाड़, चारों तरफ धुआं धुआं, 24 घंटे में 23 जगह जले जंगल

हल्द्वानी। गर्मी बढ़ने के साथ ही कुमाऊं के जंगलों में आग बेकाबू होने लगी है। नैनीताल के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए वायु सेना के हेलीकॉप्टर की मदद लेनी पड़ी। पाइंस की आग हाईकोर्ट के आवासीय परिसर तक पहुंच गई थी, जिस पर काबू पा लिया गया है। पिछले एक हफ्ते के दौरान जंगलों में आग लगने की 225 घटनाएं हुई, जिसमें 288 हेक्टेअर वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। बागेश्वर में तो जंगल की आग ने काफलीगैर मैग्नेसाइट फैक्टरी के माइंस कार्यालय को चष्ट में ले लिया, जिसमें 12 कमरे और मशीनें, कंप्यूटर तक जल गए। वनाधिकारियों के अनुसार कुमाऊं में नैनीताल और चंपावत जिला वनाग्नि की दृष्टि से बेहद संवेदनशील बना हुआ है। प्रदेश में 24 घंटे में 23 जगहों पर जंगलों में आग लगी है। इसमें 16 जगहों पर कुमाऊं में वनाग्नि की घटनाएं हुईं हैं। पूरे प्रदेश में 24 घंटे में करीब 35 हेक्टेयर जंगल वनाग्नि की भेंट चढ़ चुके हैं। स्थिति इस कदर बिगड़ गई है कि नैनीताल जिले में जंगल की आग पर नियंत्रण के लिए एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर की मदद ली गई है।

हेलीकॉप्टर ने भीमताल झील से पानी लेकर नैनीताल और उसके आसपास के वनाग्नि वाले क्षेत्रों में पानी गिराया है। इन इलाकों में आर्मी क्षेत्र भी आता है। 10 बार हेलीकॉप्टर ने भीमताल झील से पानी भरा और जंगलों में लगी भीषण अग्नि को शांत किया। नैनीताल में हाईकोर्ट के आवासीय परिसर तक जंगल की आग पहुंच गई। जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने फॉरेस्ट ट्रेनिंग अकादमी स्थित सभागार में कुमाऊं के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें फायर सीजन तक वन अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगाने के निर्देश दिए। शनिवार को अल्मोड़ा में जंगल की आग कैंट क्षेत्र के आवासीय भवनों के करीब पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई। बागेश्वर में कलक्ट्रेट परिसर तक पहुंची वनाग्नि को नियंत्रित करने में चार घंटे से अधिक का समय लगा। आग से स्वान केंद्र की संचार केबल जल गई। इंटरनेट ठप होने से शनिवार को करीब 40 विभागों का कामकाज प्रभावित रहा। शुक्रवार की शाम करीब छह बजे कलक्ट्रेट परिसर की पहाड़ी पर आग लग गई थी। यहां डीएम, एसडीएम, आपदा प्रबंधन अधिकारी भी मौके पर डटे रहे। करीब पौने नौ बजे परिसर के समीप की आग को काबू किया जा सका। हालांकि परिसर के आसपास के आग को काबू करने में एक घंटा लग गया। प्रदेश में नवंबर 2023 के बाद से अब तक जंगलों में आग की 598 घटनाएं हो चुकी हैं। इसमें कुमाऊं में 329, गढ़वाल मंडल में 128 और वन्यजीव क्षेत्र में 51 घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं में राज्य में कुल 725 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। इसमें कुमाऊं मंडल में 424, गढ़वाल मं 240 और वन्यजीव क्षेत्र में 59 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वन संपदा प्रभावित हुई है।

एक ओर राम भक्तों पर गोली चलवाने वाले, दूसरी ओर राम मंदिर बनाने वाले : अमित शाह

कासगंज। कासगंज पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने गठबंधन की झूठ की फैक्टरी बताया। उन्होंने विकास की योजनाएं गिनाईं। इसके साथ ही दो चरण के मतदान में सौ सीटें जीतने का दावा किया। उन्होंने कहा कि एटा कासगंज की जनता से भाजपा प्रत्याशी राजू भैया को जिताने की अपील की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि "मैं अखिलेश यादव से पूछना चाहता हूं कि आपको प्राण-प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिला था या नहीं? राहुल बाबा को भी पूछना चाहता हूं... सोनिया गांधी को भी मिला, मल्लिकार्जुन खरगे को भी मिला, अखिलेश और डिंपल यादव को भी मिला लेकिन कोई अयोध्या नहीं गया। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में जो लोग नहीं गए हैं उन्हें मालूम है कि हम वो लोग हैं जिन्होंने कारसेवकों पर गोली चलाई थी... कारसेवकों पर गोली चलाने वाली पार्टी, समाजवादी पार्टी को वोट देना है या राम मंदिर बनाने के लिए अपनी सरकारें कुर्बान करने वाली पार्टी, भाजपा को वोट देना है, ये निर्णय आपका है।" उनके आगमन को लेकर 12 बजे से इंतजार किया जा रहा था। वे एक बजकर 10 मिनट पर यहां पहुंचे। वहीं मंच पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ एमएलसी रजनी कांत माहेश्वरी और सांसद एवं प्रत्याशी राजवीर सिंह पहले ही पहुंच चुके हैं।

संपादकीय

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सौ फीसद सुरक्षित, नाहक सवाल उठाना अनुचित

एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर नाहक सवाल उठाना उचित नहीं है। इससे शक ही पैदा होता है। अदालत ने ईवीएम संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। दरअसल, ईवीएम को लेकर आशंका जाहिर की जा रही थी कि उसे बाहर से नियंत्रित किया और मतों में गड़बड़ी की जा सकती है। अदालत के सामने इस पर रोक लगाने की गुहार लगाई गई थी। इसके पक्ष में कई ऐसे प्रमाण भी दिए गए थे कि कहां-कहां कुल पड़े मतों और मशीनों में पड़े मतों की संख्या में अंतर पाया गया। विपक्षी दल इसे लेकर काफी आक्रामक थे और लगातार आशंका जाहिर कर रहे थे कि सत्तापक्ष मशीनों के जरिए मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसमें कई स्वयंसेवी संगठन और विशेषज्ञ भी शामिल थे, जिनका दावा था कि ईवीएम को बाहर से संचालित किया जा सकता है। हालांकि भारत निर्वाचन आयोग लगातार तर्क दे रहा था कि ईवीएम सौ फीसद सुरक्षित हैं और उनमें किसी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं है। इस मामले ने इतना तूल पकड़ लिया था कि आम मतदाता के भीतर भी यह भ्रम पैदा हो गया कि ईवीएम में गड़बड़ी करके कोई पार्टी अपने पक्ष में मतों की संख्या बढ़ा सकती है। ईवीएम पर संदेह जाहिर करते हुए अदालत में गुहार लगाने वालों की मांग थी कि मतदान के बाद जो पर्ची कट कर बक्से में गिरती है उसे मतदाता के हाथ में दिया जाए और वह उसे खुद अलग बक्से में डाले। फिर मशीन के साथ ही उन पर्चियों का मिलान कर अंतिम रूप से मतों की गणना की जाए। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उस मांग को खारिज कर दिया। दरअसल, इस तरह मतदान की गोपनीयता का उल्लंघन होने का खतरा था। मगर इसमें अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया है कि वह मशीनों में चुनाव चिह्न निर्धारित हो जाने के बाद उन्हें सीलबंद कर दे। उसने एक और रास्ता खोल दिया है कि अगर कोई प्रत्याशी किन्हीं मशीनों के बारे में शिकायत दर्ज कराता है, तो विशेषज्ञों से उनकी जांच कराई जाए। उस जांच का सारा खर्च संबंधित प्रत्याशी को उठाना पड़ेगा। इसे बहुत से लोग बड़ी राहत की बात मान रहे हैं। इस तरह गड़बड़ियों की जांच हो सकेगी। पर अब यह तो तय है कि ईवीएम को लेकर जिस तरह के भ्रम बने हुए थे, वे याचिकाकताओं के मन से काफी हद तक दूर हो चुके होंगे। हालांकि यह पहला मौका नहीं था, जब ईवीएम पर संदेह जताते हुए अदालत में गुहार लगाई गई थी। इसके पहले भी कई मौकों पर इसे चुनौती दी गई थी। पिछले आम चुनाव के वक्त भी इस मसले को काफी तूल दिया गया था। हालांकि निर्वाचन आयोग ने बार-बार मशीन की निर्दोषिता सिद्ध करने की कोशिश की थी, पर उस पर किसी को विश्वास नहीं हो रहा था। अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस पर संदेह की कोई गुंजाईश नहीं रह गई है। राजनीतिक दलों को मशीन पर शक करने के बजाय मतदाताओं पर अधिक भरोसा करने की जरूरत है। मशीन पर शक करने से नाहक मतदाताओं के भीतर भ्रम पैदा हुआ है। हालांकि निर्वाचन आयोग को भी इसे हार-जीत की तरह नहीं लेना चाहिए, उसे ईवीएम को विश्वसनीय बनाए रखने के जो भी उपाय हो सकते हैं, उन्हें अपनाने में उसे गुरेज नहीं होना चाहिए।

इस्तीफे का दौर!

राजनीतिक गरमाई है ।
इस्तीफे का दौर ।।
फायदा ना मिल रहा ।
बस बने सिरमौर ।।
अंदर खिचड़ी पक रही ।
हैं सारे तैयार ।।
आलाकमान लगातार ।
झेल रहा प्रहार ।।
ऐन वक्त पर खेला ।
कुछ समझ ना आए ।।
गुंजाइश ना राहत की ।
क्या किससे फरमाएं ।।
अभी अगर यदि हाल ये ।
है बाकी परिणाम ।।
धीरे-धीरे है पतन ।
है यही पैगाम ।।

-कृष्णेन्द्र राय

वैश्विक साझेदारी से पर्यावरण संकट का समाधान

अरुण मायरा

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (तिलोर) नामक पक्षी का वजूद बचाए रखने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से मुक्त रहने को मानव के मूलभूत अधिकार जितना दर्जा दिया गया है। इस निर्णय ने नीति-निमार्ताओं एवं अक्षय ऊर्जा तंत्र विकसित करने वाले निमार्ताओं को विस्मित किया है। उनका कहना है कि न्यायाधीश वैज्ञानिक विशेषज्ञों की सलाह को दरकिनार कर रहे हैं और इससे जलवायु परिवर्तन को दुरुस्त करने हेतु बनाए जाने वाले तंत्र की स्थापना में देरी होगी। अदालत ने माना है कि जलवायु परिवर्तन अनचाहे क्षेत्रों में भी न्यायशास्त्र की दखल करवा रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से वजूद पर बने संकट को पूंजीवादी अर्थव्यवस्था और बेढंगे विज्ञान के मौजूदा आदर्शों द्वारा समझा और सुलझाया नहीं जा सकता।

पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में, प्राकृतिक संपदा इसके मालिक की पूंजी है। राजा और जमींदार भूमि मालिक होते हैं और उनके इलाके की तमाम जलीय, वनीय और मत्स्य संपदा, पशु-पक्षी तक उनकी संपत्ति हैं। उनकी भूमि पर रह रहे और काम करने वाले नौकर या दासों द्वारा हुई उत्पादकता या पैदावार के मालिक भी वही हैं। जो मालिक अपनी मालिकाना भूमि पर घर बनाकर रहते हैं और लोगों से मेल-जोल रखते हैं, जहां उनके नौकर-चाकर पसीना बहाते हैं, वे अपनी निगरानी में वनों और फसलों को फलते-फूलते स्वयं देख सकते हैं। परंतु जो जमींदार अन्यत्र रहते हैं उन्हें कोई परवाह नहीं होती। उन्हें तो केवल मुनाफे से मतलब है फिर चाहे भूमि सूखाग्रस्त हो या बाढ़ग्रस्त, न ही नौकरों की मुश्किलों से कोई सरोकार होता है।

वस्तु मंडियों का उद्भव, जहां पर लाए गए पशु, खेतों में उगी फसलें, लकड़ी और खनिज इत्यादि को, व्यापारियों द्वारा तय भावों पर, मुद्रा के लेन-देन से, खरीदा-बेचा जाता है, यह ढंग प्राकृतिक पूंजी को वित्तीय पूंजी में तब्दील करता है। वित्तीय बाजारों ने पूंजीपतियों का नया वर्ग तैयार कर दिया, जिन्हें जमीनी हकीकतों की जानकारी देहात में न बसने वाले जमींदारों से भी कम होती है। वे दुनिया की स्थिति का आकलन तालिकाओं (चार्ट) या डाटा से करते हैं कि किस वस्तु या शेयर का भाव मंडियों और स्टॉक बाजारों में ऊपर चढ़ा या गिरा। जब देहात से निकलकर कोई बंदा कारखानों में बतौर मजदूर काम करने लगता है तो वहां उसका मेहनताना काम के घंटों और इस दौरान दिखाई कारगुजारी के मुताबिक मिलता है। कारखाने के मालिक के लिए उसका कौशल और श्रम भी एक खरीदने लायक वस्तु भर है।

अर्थ-व्यवस्था और न्याय-शास्त्र में जायदाद पर हक आदिकाल से एक अधिकार है। मानवाधिकार को मान्यता तो कहीं बहुत बाद में जाकर मिली, जिसकी प्राप्ति राजनीतिक आंदोलन-अधिकांशतः हिंसा के बाद हुई। उद्देश्य था दासता खत्म करना, उचित मजदूरी पाना और काम करने के लिए सुरक्षित माहौल बनवाना। गिग वर्क व्यवस्था श्रम को वस्तु में बदलने का 21वीं सदी का एक तरीका है, जिसमें केवल जरूरत पड़ने पर कामगार की सेवाएं लेना, जो काम हुआ उसी का मेहताना देना और अन्य किसी किस्म की कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती, यह व्यवस्था मालिकान को तो खूब रास आती है लेकिन आम लोगों के लिए खराब है। गारेट हार्डिन की ट्रेजेडी ऑफ द कॉमन्स नामक थ्योरी निजीकरण की विचारधारा को रेखांकित करती है। इस विचार या वाद में, जो सार्वजनिक संपत्ति साझी होती है उसकी देखभाल की जिम्मेवारी कोई नहीं उठाता। अतएव, सार्वजनिक और साझी संपत्ति को निजी हाथों को सौंप दिया जाए क्योंकि वे अधिक मुनाफा बनाने की चाहना से प्रेरित होकर अपने-अपने हिस्से का प्रबंधन अच्छी तरह करेंगे। वैश्विक पर्यावरण, जो कि सबका साझा है, उसको पहुंचा नुकसान विश्व-स्तरीय उभयनिष्ठ संकट बन गया है। इसका हल संपत्ति का आगे निजीकरण कर-के नहीं निकल सकता। वैश्विक साझेदारी का वायदा ध्येय की प्राप्ति को प्रबंधन के नए सिद्धांतों की जरूरत है।

फ्रांसिस बैकॉन ने 17वीं सदी में यूरोपियन ज्ञानोदय के जन्म पर गर्व करते हुए कहा था कि अब विज्ञान मनुष्य को बेलगाम प्रकृति पर नियंत्रण पाने की ताकत प्रदान करेगा। भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव-विज्ञान में हुई नवीनतम खोजों ने मानव के पदार्थवादी फायदे हेतु पृथ्वी की संपदा का दोहन करने के ताकतवर औजार प्रदान किए जिसके चलते तकनीकी रूप से विकसित राष्ट्रों के नागरिकों का उच्च जीवन स्तर बाकियों के लिए ईर्ष्या बना। लेकिन अतिशयी दोहन ने पृथ्वी की सेहत को नुकसान पहुंचाया है। तकनीकी श्रेष्ठता के दर्प से चूर मानव ने हमारे ग्रह के पर्यावरण संतुलन और लोगों के आपसी सौहार्द्र की सततता को नष्ट कर डाला।

आधुनिक विज्ञान ने जटिल प्राकृतिक तंत्र को छोटी-छोटी श्रेणियों में बांटकर, हरेक के लिए विशेषज्ञता आधारित विज्ञान का विकास करना शुरू किया ताकि छोटी से छोटी बारीकी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हो। किंतु यह तरीका अंधों द्वारा हाथी की व्याख्या करने वाली कहानी जैसा है। समग्रता के परिपेक्ष में कोई नहीं देख रहा। आधुनिक दवा खोजकर्ताओं ने दवाएं और शरीर के विभिन्न अंगों को दुरुस्त करने के लिए सर्जरी के बकमाल तरीके खोजे हैं। किंतु उपचार विधि में अंतर्निहित दुष्परिणामों से प्रभावित हुए अन्य अंगों से रोगी की हालत और बिगड़ भी जाती है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए, पूरे शारीरिक तंत्र और मानसिकता की समझ रखने वाले चिकित्सक होना लाजिमी है। पिछली सदी में अर्थतंत्र का सरोकार बाकी सामाजिक विज्ञान से टूट गया, हर कोई अपनी-अपनी विशेषज्ञता वाले कूपों में समा गया। सकल घरेलू उत्पादक बढ़ाने के वास्ते अर्थशास्त्री प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करने लगे। अर्थशास्त्रियों को यह तो पता है कि आर्थिकी का आकार कैसे बढ़े किंतु वृद्धि युक्त अर्थव्यवस्था में सबका हिस्सा कैसे सुधरे और प्राकृतिक स्रोतों की सततता बरकरार रहे, यह इल्म नहीं है।

आधुनिक वैज्ञानिक रुख को उन शक्तियों को समझ नहीं है जो परस्पर रूप से पैदा होती हैं और जिनके बीच कारकों और प्रभावों को लेकर चक्रीय नाता है। वे अर्थशास्त्री जो मानव विकास सूचकांक में सुधार लाने के हेतु स्रोतों की वृद्धि करने से पहले उच्च सकल घरेलू उत्पाद बनाने की वकालत करते हैं और जिनके लिए प्राकृतिक स्रोतों की सततता कायम रखना बाद की बात है, वे यह देखने में असफल हैं कि आर्थिक वृद्धि के लिए मानव विकास एवं प्राकृतिक स्रोत की सततता सदा से पूर्व-शर्त और नींव रही है। मिट्टी, जल तंत्र और वनस्पति, पशु, पक्षियों एवं कीटों की विभिन्न प्रजातियों सहित मनुष्य भी प्रकृति के जटिल ढांचे का एक हिस्सा मात्र है। सततातापूर्ण विकास के लिए सबकी भलाई संरक्षित होना जरूरी है। संरक्षणवादी जो व्यवस्था के केवल एक हिस्से पर ही ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, वे या तो अधिक हरियाली की वकालत करते हैं या फिर किसी एक प्रजाति को बचाने की जैसे कि बाघ। वे भी व्यवस्था को संपूर्ण समग्रता के साथ रखकर नहीं देखते। ऐसे लोग वनों और बाघों को बचाने के लिए स्थानीय वनवासियों को जंगलों से बाहर निकलवाना चाहते हैं, वे यह नहीं देखते कि वहां पर मनुष्य बतौर प्रजाति प्रकृति का एक अभिन्न अंग हैं। जटिल तंत्र को केवल विभिन्न नजरियों का समावेश कर समझा जा सकता है। कानून का शासन और त्वरित न्याय वाले मुल्क वित्तीय निवेशकों और नागरिकों को आकर्षित करते हैं। सुशासन और सबके लिए न्याय के लिए जरूरत है उन शासकों की जो निरंतर लोगों की सुनें। अपनी विधा में महारत किंतु संकुचित दायरा रखने वाले विशेषज्ञ और अदालतें नागरिकों में सर्वसम्मति नहीं बना सकते। समाज को भी चाहिए कि जिस किस्म का तंत्र वह अपने लिए चाहता है, उसकी प्राप्ति के लिए सहयोग से सर्वसम्मति बनाये।

जनसहयोग से ही हो काबू पाने के प्रयास

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष गर्मी की शुरूआत होते ही विभिन्न राज्यों में जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ने लगती हैं। शुष्क मौसम के कारण उत्तराखंड के पहाड़ी अंचलों में भी जंगलों के धधकने का सिलसिला तेज है। जंगल में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के साथ ही इन पर नियंत्रण पाना भी मुश्किल होता जा रहा है। वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक, उत्तराखंड में इस फायर सीजन में जंगलों में आग की करीब सौ घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 100 हेक्टेयर से भी ज्यादा वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है।

तापमान में बढ़ोतरी के चलते उत्तराखंड में गढ़वाल, कुमाऊं, अल्मोड़ा, कर्णप्रयाग, चमोली, चंपावत, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी, रुद्रप्रयाग सहित कई जनपदों के जंगल धधक रहे हैं। कई जगहों पर जंगलों में दावानल भड़कने के दो-तीन दिन बाद तक भी वन विभाग मौके पर पहुंचने में नाकाम रहा और जंगलों से उठती आग की लपटें सब कुछ राख करती चली गईं। विशेषज्ञों के मुताबिक जंगलों में दावानल से बड़े पैमाने पर वन संपदा तो नष्ट होती ही है, पर्यावरणीय क्षति के साथ-साथ लोगों को जलवायु परिवर्तन का खमियाजा भी भुगतना पड़ता है। गर्मियों में जंगलों में आग तेजी से फैलती है। जंगलों का पूरी तरह सूखा होना आग लगने के खतरे को बढ़ा देता है। कई बार जंगलों की आग जब आसपास के गांवों तक पहुंच जाती है तो स्थिति काफी भयावह हो जाती है। दो साल पहले

उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग

में अल्मोड़ा में छह गौशालाएं, लकड़ियों के टाल सहित कई घर जलकर राख हो गए थे और वहां हेलीकॉप्टरों की मदद से बड़ी मुश्किल से आग बुझाई जा सकी थी। जंगलों में आग के कारण वनों के पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता को भारी नुकसान होता है। प्राणी सर्वेक्षण विभाग का मानना है कि उत्तराखंड के जंगलों में आग के कारण जीव-जंतुओं की साढ़े चार हजार से ज्यादा प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। वनों में आग से पर्यावरण के साथ-साथ वन सम्पदा का जो नुकसान होता है, उसका खमियाजा लंबे समय तक भुगतना पड़ता है और ऐसा नुकसान साल-दर-साल बढ़ता जाता है। पिछले चार दशकों में भारत में पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के खत्म हो जाने के अलावा पशु-पक्षियों की संख्या भी घटकर एक तिहाई रह गई है और इसके विभिन्न कारणों में से एक कारण जंगलों की आग रही है। जंगलों में आग के कारण वातावरण में जितनी भारी मात्रा में कार्बन पहुंचता है, वह कहीं ज्यादा गंभीर खतरा है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2017 से 2019 के बीच जंगलों में आग लगने की घटनाएं तीन गुना तक बढ़ गईं। साल 2016 में देशभर के जंगलों में आग लगने की 37 हजार से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई थी, जो 2018 में बढ़कर एक लाख से ऊपर निकल गईं। भारतीय वन सर्वेक्षण ने वर्ष 2004 में नासा के उपग्रह की मदद से राज्य सरकारों को जंगल में आग की घटनाओं की चेतावनी देना शुरू किया गया था। वर्ष 2017 में सेंसर तकनीक की मदद से रात में भी ऐसी घटनाओं की निगरानी शुरू की गई लेकिन तमाम तकनीकी मदद के बावजूद जंगलों में हर साल बड़े स्तर पर लगती भयानक आग जब सब कुछ निगलने पर आमादा दिखाई पड़ती है और वन विभाग बेबस नजर आता है, तो चिंता बढ़नी स्वाभाविक है। चिंता का विषय है कि जंगलों में आग की घटनाओं को लेकर सरकारों और प्रशासन के भीतर संजीदगी का अभाव दिखता है। एक दशक में हम वनों की आग से 22 हजार हेक्टेयर से भी ज्यादा जंगल खो चुके हैं। वन सर्वेक्षण संस्था की रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 2004 से 2017 के बीच वनों में आग की 3.4 लाख घटनाएं हुई थी।

जंगलों में आग कई बार प्राकृतिक तरीके से नहीं लगती बल्कि पशु तस्कर भी लगा देते हैं। मध्य प्रदेश के जंगलों में लोग महुआ निकालने के लिए झाड़ियों में आग लगाते हैं। वहीं वनों में प्राकृतिक तरीके से आग लगने के प्रमुख कारण मौसम में बदलाव, सूखा व भूमि कटाव हैं। विशेषकर पहाड़ी क्षेत्रों में चीड़ के वृक्ष बहुतायत में होते हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ इसे वनों का कुप्रबंधन ही मानते हैं कि देश का करीब 17 फीसदी वन क्षेत्र चीड़ से ही भरा पड़ा है। चीड़ के वृक्षों का बड़ा नुकसान है कि एक तो ये बहुत जल्दी आग पकड़ लेते हैं, साथ ही ये अपने क्षेत्र में चौड़ी पत्तियों वाले अन्य वृक्षों को पनपने नहीं देते। चूंकि चीड़ के वनों में नमी नहीं होती, इसलिए जरा-सी चिंगारी भी ऐसे वनों को राख कर देती है। कभी चीड़ के सूखे पत्तों को पर्वतीय क्षेत्रों के लोग पशुओं के बिछौने के रूप में इस्तेमाल किया करते थे किन्तु रोजगार की तलाश में पहाड़ों से पलायन के चलते लोगों को अब इन पत्तियों की जरूरत ही नहीं पड़ती और जंगलों में इन सूखी पत्तियों का ढेर इकट्ठा होता रहता है, जो थोड़ी गर्मी बढ़ते ही मामूली चिंगारी से ही सुलग उठते हैं व देखते ही देखते पूरा जंगल आग के हवाले हो जाता है। जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं पर काबू पाने में विफलता का बड़ा कारण यह भी कि वन क्षेत्रों में वनवासी अब वन संरक्षण के प्रति उदासीन हो चले हैं। वजह काफी हद तक नई वन नीतियां भी हैं। जरूरी है कि वनों के आसपास रहने वालों और उनके गांवों तक जन-जागरूकता मुहिम चलाकर वनों से उनका रिश्ता कायम करने के प्रयास किए जाएं ताकि वे वनों को अपने साथी समझें और उनके संरक्षण के लिए साथ खड़े नजर आएं।

कैदियों में टकराव रोकने को बने प्रभावी तंत्र

डॉ. केपी सिंह

उन्नीस अप्रैल को संगरूर जेल में बंदियों के दो समूहों के बीच झड़प में दो कैदियों की मौत हो गई और दो अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए। इससे लगभग एक सप्ताह पहले भी गुरदासपुर की केंद्रीय जेल में एक झड़प को रोकने की कोशिश करते हुए थाना प्रबंधक सहित कम से कम चार पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पंजाब की जेलों में पिछले एक दशक में हिंसा और दंगों की कई घटनाएं हुईं। फरवरी, 2023 में तरनतारन जिले की गोइंदवाल साहिब केन्द्रीय जेल के अन्दर लड़ाई में दो गैंगस्टर मारे गए थे। जून, 2019 में लुधियाना जेल में दंगाई कैदियों ने पुलिस से झड़प की थी। जिसमें एक कैदी की मौत हो गई थी और पांच अन्य घायल हो गए थे। मार्च, 2017 में भी गुरदासपुर जेल में कैदियों के दंगे में तीन जेल कर्मचारी घायल हो गए थे।

जेलों में हिंसा के अपराधशास्त्र को जेल की सामाजिक संरचना और शासन व्यवस्था को सामने रखकर समझा जा सकता है, जो अक्सर संसाधनों के अभाव में आपसी खींचतान के कारण उत्पन्न होता है। यही नहीं, जेलों का माहौल ही शोषणकारी है और अन्याय होने पर कैदियों की स्वाभाविक प्रतिक्रिया हिंसा ही होती है। मानसिक बीमारी, जातीय और धार्मिक समीकरण, बन्दियों और जेल कर्मचारियों के बीच की सांठ-गांठ, सांस्कृतिक मतभेद और जेल में बंदी गैंगस्टरों से सांठ-गांठ अन्य महत्वपूर्ण कारक हैं जो जेलों में दंगों के मूल कारण बन जाया करते हैं। पंजाब की जेलों में अधिकांश झगड़े भौतिक वस्तुओं को लेकर नहीं बल्कि प्रभुत्व, सम्मान, निष्पक्षता, वफादारी, गिरोहों की दुश्मनी व वर्चस्व जैसे गैर-भौतिक हितों को लेकर होते हैं। यही कारण है कि वे पूर्व-नियोजित होते हैं और पुलिस हस्तक्षेप के बिना उन्हें सुलझाना कठिन होता है।

कुछ साल पहले ह्यकॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव और पंजाब राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा किए गए एक संयुक्त अध्ययन से पता चला कि पंजाब की 24 में से 18 जेलें क्षमता से अधिक भरी हुई थीं, 25 प्रतिशत पद खाली थे, 17 जेलें कल्याण अधिकारियों के बिना काम कर रही थी, बाहरी निरीक्षण तंत्र आमतौर पर नदारद था क्योंकि केवल एक जेल में ही ह्यबोर्ड आफ विजिटर था जो जेलों पर स्वतंत्र निगरानी के लिए एक वैधानिक निकाय है। 660 कैदियों में से 12 प्रतिशत ने जेल-हिरासत में हिंसा का आरोप लगाया था। 15 कारागारों में कैदियों ने जेलों के अंदर नशे की तस्करी और प्रतिबन्धित सामग्री की आपूर्ति की भी बात का जिक्र किया था।

ये सभी तथ्य मिलकर पंजाब की जेलों में संसाधनों, पारदर्शिता और निष्पक्षता की कमी की गवाही देते हैं, जिसका जेलों के अन्दर के जीवन और सुरक्षा पर निश्चित प्रभाव पड़ता है। ऐसी जमीनी हकीकतों के प्रकाश में जेलें खतरनाक, अमानवीय और दर्दनाक जगह बन जाती हैं, जहां हिंसा अपरिहार्य है। जुलाई, 2022 में राज्य सरकार ने जेलों में ह्यड्रग स्क्रीनिंग सर्वेक्षण शुरू किया जिसमें 30,000 बन्दियों को शामिल किया गया था। यह बात सामने आई कि सर्वेक्षण में शामिल 47 प्रतिशत से अधिक कैदी नशे के आदी हैं। एक छोटी-सी जगह में इतनी बड़ी संख्या में मादक द्रव्यों का सेवन करने वालों की मौजूदगी स्वयं में एक विस्फोटक है जो फूटने का इंतजार कर रहा है।

नशे का आदी व्यक्ति नशीली दवाओं के बिना जीवित नहीं रह सकता है और कैदी इसकी व्यवस्था जेलों के अन्दर गिरोहों के माध्यम से करते हैं। नशे की आपूर्ति जेल अधिकारियों की मिलीभगत के बिना सम्भव नहीं है। जेल के अन्दर जब ऐसे गिरोह हों तो हिंसा स्वाभाविक है। मादक द्रव्यों का सेवन करने वालों के इलाज के लिए जेलों में बहुआयामी नशा मुक्ति कार्यक्रमों की आवश्यकता है, वर्तमान में किए जा रहे उपाय अपर्याप्त और अप्रभावी साबित हो रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पंजाब की जेलें उत्तर भारत में गैंगस्टरों के लिए पसंदीदा जगहों के रूप में भी उभरी हैं। उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी ने रूपनगर जेल में सुरक्षित और आरामदायक पनाह पाई थी। पिछले साल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने पंजाब की एक जेल से एक न्यूज चैनल को साक्षात्कार दिया था और अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी थी। सलाखों के पीछे से बदमाशों द्वारा धमकी भरे संदेश और फिरौती के लिए टेलीफोन पर्याप्त संकेत हैं कि जेल प्रशासनिक मशीनरी में सब कुछ ठीक नहीं है। कारागार अत्यधिक अस्थिर और चंचल प्रवृत्ति के लोगों की बस्तियां हैं, जो निठल्ले रहते हैं। कठोर कारावास की सजा पाने वाले केवल 20 प्रतिशत दोषियों को ही जेल कारखानों में काम दिया जा सकता है। 75 प्रतिशत से अधिक बन्दी विचाराधीन कैदी हैं जिन्हें कानूनन काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। जेल के छोटे से क्षेत्र में इस तरह का निठल्ला कार्यबल शांति के लिए खतरा है। इसके लिए कानूनों में बदलाव करने और कैदियों के लिए पर्याप्त काम के अवसर पैदा करने की जरूरत है।

तर्कसंगत स्थानांतरण नीति के अभाव में दागी जेल अधिकारी अपने पसंदीदा स्थानों पर अपनी नियुक्ति का प्रबन्ध करते रहते हैं। इसके कारण बंदी बदमाशों के गिरोहों के साथ सांठ-गांठ विकसित करना आसान हो जाता है। जिसके परिणामस्वरूप जेलों में भेदभावपूर्ण, अवैध और भ्रष्ट आचरण पनपता है जो कैदियों के बीच टकराव बढ़ाता है। अपेक्षाकृत छोटा राज्य होने के कारण पंजाब की जेलों में किसी भी जेल अधिकारी को एक स्थान पर दो साल से अधिक काम करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसी प्रकार समय-समय पर समीक्षा कर-के अवांछित तत्वों को सेवा से बाहर किया जाना चाहिए। जेल में अन्दर की ड्यूटियों को भी एक उचित अवधि के बाद बदलते रहना चाहिए।

जेल प्रणालियों में गोपनीयता अंतर्निहित है। जेल प्रशासन बन्दियों की सुरक्षा का ढिंढोरा पीटकर बन्द माहौल में काम करने का अभयस्त हो चुका है। वे अपने कामकाज की निगरानी के लिए किसी बाहरी निरीक्षण तंत्र को पसंद नहीं करते, जबकि इसके लिए वैधानिक प्रावधान है। आदर्श स्थिति में कारागार स्वतंत्र संस्थाओं के निरीक्षण के लिए खोले जाने चाहिए। कैदियों के बीच के तनाव और टकराव के समाधान के लिए भी एक प्रभावी तंत्र का होना बहुत आवश्यक है।

कारागारों में हिंसा रोकने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार ने वर्ष 1998, 2006 और 2015 में निर्देश जारी किए थे, परंतु इन निदेशों में केवल जेलों की सुरक्षा को अचूक बनाने को आधार बनाया गया है और यह मान लिया गया कि जेलों में हिंसा केवल सुरक्षा में कमी के कारण ही होती है। जबकि वस्तुस्थिति यह है कि हिंसा के पीछे अनेक कारण होते हैं जिनका निवारण आवश्यक है। सरकारों और प्रशासनिक अमले की इस सोच में आमूल-चूल परिवर्तन अत्यन्त आवश्यक है ताकि समय रहते उन समस्याओं का समाधान किया जा सके जिसके कारण हिंसा होती है। जेलों से सम्बन्धित वर्तमान कानून पर्याप्त कठोर हैं और अनुशासन और सुरक्षा बनाए रखने में सक्षम हैं। जरूरत इस बात की है कि जेल प्रशासन अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ करे। हिंसा की प्रत्येक घटना की पूरी जांच करके लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही निश्चित करके समुचित दण्ड दिया जाना चाहिए। पंजाब एक सीमान्त प्रान्त है। यहां की जेलों में हिंसा देश की सुरक्षा के लिये खतरनाक साबित हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

उत्तरी नाइजीरिया में इमारत ढहने से तीन की मौत

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तरी प्रान्त कानो में निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत के ढह जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख नूरदीन अब्दुल्लाही ने बताया कि यह घटना ग्वाले स्थानीय प्रशासन के कुंटाऊ क्वार्टर्स में शुक्रवार को उस समय घटी, जब श्रमिक साइट पर कार्य कर रहे थे। सूचना मिलने बाद तुरंत बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा तीन शव और दो घायल लोगों को मलबे से निकाला गया।

अफगान पुलिस ने पोस्ता की खेती को किया नष्ट

पुल-ए-खुरमी। अफगानिस्तान की नशीला पदार्थ निरोधक पुलिस ने उत्तरी अफगानिस्तान के बगलान प्रांत में आठ एकड़ भूमि पर पोस्ता की खेती को नष्ट कर दिया है। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने शनिवार को अपने बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक विभिन्न जिलों में ऑपरेशन शुरू किए गए, जिसमें आठ एकड़ पोस्ता की खेती को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। साथ ही कहा गया है कि किसी को भी अवैध फसल उगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अफगान पुलिस ने पिछले कुछ महीनों में देश भर में सैकड़ों एकड़ पोस्ता खेती को नष्ट किया है और अवैध नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल होने के आरोप में बहुत से लोगों को हिरासत में लिया है।

सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी मामले में आरोपियों पर मकोका लगा

मुंबई। मुंबई पुलिस ने 14 अप्रैल को बांद्रा स्थित अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी की घटना को लेकर शनिवार को महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कथित शूटर विक्की गुप्ता (24) और सागर पाल (21) के अलावा सोनू कुमार चंदर बिश्नोई (37) और अनुज थापन (32) के साथ-साथ गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके भाई अनमोल बिश्नोई पर भी मकोका लगाया गया है। बिहार के रहने वाले गुप्ता और पाल को 16 अप्रैल को गुजरात के कच्छ से जबकि सोनू बिश्नोई और थापन को 25 अप्रैल को पंजाब से गिरफ्तार किया गया था। कनाडा में रहने वाले अनमोल बिश्नोई ने एक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से गोलीबारी प्रकरण की जिम्मेदारी ली थी।

इक्वाडोर : हेलीकॉप्टर दुर्घटना में आठ की मौत

क्विटो। इक्वाडोर की सेना के एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पांच सैनिकों और तीन नागरिकों की मौत हो गई। सशस्त्र बलों ने जानकारी दी। इक्वाडोर की सेना ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहा हेलीकॉप्टर पास्ताजा प्रांत के तिविनो जिले में शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 09:36 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इक्वाडोर की सेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच समिति के तत्काल गठन के आदेश दिये है।

कंबोडिया : सैन्य अड्डे पर विस्फोट, 20 की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कहा है कि शनिवार दोपहर को देश के पश्चिमी हिस्से में एक सैन्य अड्डे पर आयुध सामग्री में विस्फोट से 20 सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। मानेट ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि कम्पोंग स्पू प्रांत में सैन्य अड्डे पर विस्फोट के बारे में जानकर उन्हें 'गहरा झटका' लगा है। विस्फोट किस कारण से हुआ, फिलहाल इसकी वजह स्पष्ट नहीं है। प्रधानमंत्री मानेट ने भी फेसबुक पर अपने पोस्ट में विस्फोट का कारण नहीं बताया है।

पाकिस्तान में चीन निर्मित हैंगर पनडुब्बी का जलावतरण

इस्लामाबाद/बीजिंग। चीन ने अपने सदाबहार सहयोगी पाकिस्तान को अत्याधुनिक पनडुब्बियां उपलब्ध कराने के लिए समझौते के तहत हैंगर श्रेणी की आठ पनडुब्बियों में से पहली का जलावतरण किया है। इसके साथ ही चीन और पाकिस्तान के बढ़ते द्विपक्षीय सैन्य सहयोग में नया आयाम जुड़ गया है। जियो न्यूज की खबर के अनुसार शुक्रवार को वुचांग शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री ग्रुप (डब्ल्यूएसआईजी) के शुआंगलिउ बेस पर आयोजित जलावतरण समारोह में पाकिस्तान नौसेना के प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने भाग लिया।

सदी के मध्य तक जैव विविधता में गिरावट की मुख्य वजह बन सकती है जलवायु : अध्ययन

नई दिल्ली (भाषा)। एक नए शोध से पता चला है कि सदी के मध्य तक जलवायु परिवर्तन जैव विविधता में गिरावट का मुख्य कारण बन सकता है। भूमि-उपयोग के तौर-तरीकों में बदलाव और जैव विविधता पर उनके प्रभावों का अध्ययन करते हुए शोधकर्ताओं के एक अंतरराष्ट्रीय दल ने पाया कि दुनिया भर में जैव विविधता में दो से 11 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

जर्मन सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव बायोडायवर्सिटी रिसर्च (आईडीआईवी) के अनुसंधान समूह प्रमुख और 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के मुख्य लेखक हेनरिक परेरा ने कहा, 'अपने प्रारूप में सभी विश्व क्षेत्रों को शामिल करके, हमने कई ऐसे स्थानों को भी शामिल किया जो पूर्व में इस दायरे से बाहर थे तथा खंडित एवं संभावित पक्षपाती आंकड़ों के साथ काम करने वाले अन्य दृष्टिकोणों की आलोचना को दुरुस्त किया।'

भविष्य में जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र कैसे विकसित हो सकते है, इसकी जांच करते हुए शोधकर्ताओं ने पाया कि भूमि उपयोग परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव से उत्सर्जन परिदृश्य से इतर सभी वैश्विक क्षेत्रों में जैव विविधता का नुकसान होता है।

अध्ययन के सह-लेखक व ऑस्ट्रिया के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एप्लाइड सिस्टम एनालिसिस (आईआईएएसए) के शोधकर्ता डेविड लेक्लेर ने समझाया, 'हमने पाया कि जलवायु परिवर्तन जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए एक आसन्न खतरा पैदा करता है। भूमि-उपयोग परिवर्तन ऐतिहासिक रूप से एक महत्वपूर्ण कारक रहा है, हमारे निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि जलवायु परिवर्तन सदी के मध्य तक जैव विविधता के नुकसान के प्राथमिक कारक के रूप में इससे आगे निकल सकता है।'

शोधकर्ताओं ने आने वाले दशकों में नीतियों के बीच टकराव को कम करने और जैव विविधता की सुरक्षा के लिए विभिन्न स्थिरता पहलुओं पर विचार करते हुए 'वास्तव में एकीकृत दृष्टिकोण' अपनाने का आह्वान किया। अध्ययन के सह-लेखकों में से एक, आईआईएएसए जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन कार्यक्रम निदेशक पेट्र हैवलिक ने कहा, 'उदाहरण के लिए, जैव-ऊर्जा परिनियोजन अब भी अधिकांश जलवायु स्थिरीकरण परिदृश्यों का एक महत्वपूर्ण तत्व है, यह प्रजातियों के आवासों के लिए भी खतरा पैदा करता है।' लेखकों ने कहा कि निष्कर्षों ने सुझाव दिया कि आवश्यक प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में संरक्षण और बहाली के प्रयासों को विश्व स्तर पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

विमान परिचारक पर किशोरी का वीडियो बनाने का आरोप

बोस्टन (एपी)। अमेरिकन एयरलाइंस के विमान परिचारक को विमान के शौचालय में गुप्त रूप से किशोरी का वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश करने के मामले में आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार कैरोलाइना में चार्लोट निवासी 36 वर्षीय एस्टेस कार्टर थॉम्पसन के पास से चार लड़कियों के वीडियो भी बरामद हुए। थॉम्पसन ने ये वीडियो विमान के शौचालय में बनाए थे। थॉम्पसन पर बच्चों के यौन शोषण का प्रयास और नाबालिग की आपत्तिजनक तस्वीरें रखने के मामले का आरोप लगाया गया है। थॉम्पसन को जनवरी 2024 में गिरफ्तार किया गया था और वह तब से संघीय हिरासत में है।

जांचकर्ताओं ने बताया कि चार्लोट से बोस्टन जा रही उड़ान में दो सितंबर 2023 को सवार 14 वर्षीय किशोरी को शौचालय जाना था लेकिन उसकी सीट के पास स्थित शौचालय में कोई खाली नहीं थां। विमान के परिचारक थॉम्पसन ने उसे प्रथम श्रेणी के शौचालय में जाने की सलाह दी। किशोरी जब शौचालय में गई तो उसने सीट के ढक्कन के नीचे लाल स्टिकर दिखाई दिया। थॉम्पसन ने वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए स्टिकर के नीचे अपना आईफोन छुपाया था। लड़की ने अपने फोन से स्टिकर और छुपाए गए आईफोन की तस्वीरें ले ली। बच्चों के यौन शोषण के प्रयास का दोषी पाए जाने पर 15 से 30 साल के कारावास और किसी नाबालिग की आपत्तिजनक तस्वीरें रखने के मामले में 20 साल तक कारावास की सजा का प्रावधान है।

निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें अफसर : एमके स्टालिन

चेन्नई (भाषा)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को अधिकारियों को इस गर्मी में लोगों को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य के कई हिस्सों में चल रही 'लू' की स्थिति के मद्देनजर यहां राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि गर्मी अपने साथ दो तरह के संकट लेकर आई है। स्टालिन ने कहा, 'एक तो अत्यधिक गर्मी और दूसरा पीने के पानी की बढ़ती मांग।

हालांकि, पिछले पूर्वोत्तर मानसून के दौरान तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में भारी वर्षा हुई थी जिसके कारण बाढ़ आ गई थी। जबकि राज्य के अन्य हिस्सों, विशेषकर पश्चिमी जिलों, जिन्हें जलग्रहण क्षेत्र माना जाता है, इन क्षेत्रों में कम वर्षा हुई।' इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव और अन्य विभागीय सचिवों ने मुख्यमंत्री को पेयजल की कमी के बारे में बताया। इसके अलावा, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने उल्लेख किया है कि इस बार दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान, शुरुआती एक या दो महीनों में वर्षा की मात्रा अपेक्षा से कम हो सकती है। स्टालिन ने कहा, 'इसलिए, अब हम एक कठिन स्थिति में है, जहां हमें बांधों में पानी का संयम से उपयोग करना होगा और अगले दो महीनों के लिए पीने के पानी की आवश्यकता को पूरा करना होगा।'

मुख्यमंत्री ने मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी विभाग के अधिकारियों से पेयजल समस्या से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेने और समस्याओं का तुरंत समाधान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य के 22 जिलों को पहले ही सूखाग्रस्त जिले घोषित किया जा चुका है और जल आपूर्ति कार्यों के लिए राज्य आपदा राहत कोष से 150 करोड़ रुपये रखे गए हैं। नगर निगम के अधिकारियों को विभिन्न संयुक्त पेयजल योजनाओं के कामकाज की निगरानी करनी चाहिए और उनका रखरखाव करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा, 'गर्मियों के दौरान पानी की मांग अधिक होती है, जबकि पानी की उपलब्धता कम हो जाती है।

हूती मिसाइल हमले में रूस से भारत जा रहे तेल टैंकर को नुकसान

यरूशलम (एपी)। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों ने शुक्रवार को लाल सागर से गुजर रहे पनामा के ध्वज वाले तेल टैंकर को मामूली नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि यह जहाज रूस से भारत जा रहा था।

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमान ने कहा कि विद्रोहियों ने हमले में तीन मिसाइलें दागी, जिनमें से एक ने पनामा के ध्वज वाले, सेशेल्स-पंजीकृत 'एंड्रोमेडा स्टार' को क्षतिग्रस्त कर दिया। निजी सुरक्षा कंपनी एंब्रे ने टैकर को रूस से जुड़े व्यापार में संलग्न बताया। एंब्रे ने कहा, जहाज रूस के प्रिमोर्स्क से भारत के वाडिनार की ओर जा रहा था। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने बाद में विद्रोहियों द्वारा प्रसारित एक पूर्व-रिकॉर्डेड बयान में शनिवार तड़के हमले का दावा किया। उन्होंने टैकर को सीधे निशाना बनाए जाने का उल्लेख किया। अमेरिका ने कहा कि एक अन्य जहाज, एंटिका-बारबाडोस-ध्वजांकित लाइबेरिया द्वारा संचालित मैशा भी हमले के समय पास में था।

हूती ने ब्रिटिश तेल टैंकर, अमेरिकी ड्रोन पर हमले की जिम्मेदारी ली

सना (आईएएनएस)। यमन के हूती समूह ने शनिवार को लाल सागर में ब्रिटिश तेल टैंकर को निशाना बनाने और उत्तरी यमन में अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने के जिम्मेदारी ली है।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि शुक्रवार को हमारे नौसैनिक बलों ने लाल सागर में एक ब्रिटिश तेल जहाज एंड्रोमेडा स्टार को कई मिसाइलों से निशाना बनाया और उस पर सीधा प्रहार किया। उन्होंने कहा, गुरुवार को हमारे नौसैनिक बल सादा गवर्नरेट (उत्तरी यमन) के हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी एमक्यू 9 विमान को मार गिराने में सफल रहे। प्रवक्ता ने कहा, हम पुष्टि करते हैं कि जब तक गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इस्राइली घेराबंदी और हमला बंद नहीं होता, तब तक हम सैन्य अभियान चलाना जारी रखेंगे।

इराक में गैस क्षेत्र पर ड्रोन हमले में चार की मौत

बगदाद (आईएएनएस)। इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में गैस क्षेत्र पर ड्रोन हमले में चार लोगों की मौत हो गई। क्षेत्रीय और संघीय अधिकारियों ने हमले की निंदा की है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार (केआरजी) के प्रवक्ता पेशवा हवारमानी ने कहा कि हमले में गैस क्षेत्र में काम कर रहे चार यमनी नागरिकों की मौत हो गई। बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान हुआ है।

हवारमानी ने इस हमले की निंदा की और इसे आतंकवादी कृत्य बताया। लक्षित खोर मोर गैस क्षेत्र सुलेमानी प्रांत में स्थित है। यह संयुक्त अरब अमीरात स्थित ऊर्जा कंपनी दाना गैस द्वारा संचालित है। प्रवक्ता ने इराकी संघीय सरकार से हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ने का आग्रह किया है। क्षेत्र के बिजली अधिकारियों ने एक अलग बयान में बिजली संयंत्रों के लिए गैस आपूर्ति पर हमले के प्रभाव को उजागर किया। उनका कहना है कि हमले की वजह से बिजली उत्पादन में लगभग 2,500 मेगावाट की कमी आई। इराकी ज्वाइंट ऑपरेशन कमांड (जेओसी) ने हमले की पुष्टि की है।

भारत और ईरान के बीच रक्षा सहयोग पर चर्चा

तेहरान (वार्ता)। भारत और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों ने पश्चिम एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में नाजुक स्थिति के मद्देनजर पारस्परिक घनिष्ठ रक्षा सहयोग की योजनाओं पर चर्चा की। ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रजा अश्तियानी ने कजाकिस्तान में भारतीय रक्षा सचिव गिरिधर अरामाने के साथ बैठक के दौरान रक्षा सहयोग पर यह चर्चा की। बैठक के दौरान ईरान के रक्षा मंत्री ने कहा, कि रणनीतिक क्षेत्रों में ईरान और भारत के पास पश्चिम एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप में शांति और सुरक्षा स्थापित करने की अपार संभावनाएं है। यह बैठक कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के मौके पर आयोजित की गई थी।

ईरानी रक्षा मंत्री ने आईएसआईएस आतंकवादी समूह के खिलाफ जंग और उसे क्षेत्र में दोबारा सत्ता हासिल करने से रोकने के लिए तेहरान और भारत के बीच घनिष्ठ सहयोग का भी आह्वान किया। जनरल अश्तियानी ने ईरान और भारत के बीच सैन्य और रक्षा सहयोग के क्षेत्रीय स्थिरता और

■ एससीओ के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में ईरानी रक्षा मंत्री और भारतीय रक्षा सचिव ने की मुलाकात

सुरक्षा की स्थापना पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डाला और भारत के साथ रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के आवश्यकता पर भी जोर दिया। तस्नीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रक्षा सचिव ने सीरिया में इस्राइली हवाई हमले में ईरानी सैन्य सलाहकारों की जान जाने पर ईरान के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और क्षेत्रीय सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने संयुक्त नौसैनिक युद्धाभ्यास में भाग लेने, रक्षा और शैक्षिक अनुसंधान करने और सैन्य छात्रों के आदान-प्रदान के द्वारा नौसैनिक क्षेत्र में ईरान के साथ मजबूत सैन्य सहयोग की भी बात की। गौरतलब है कि गत फरवरी में ईरान की नौसेना ने बड़े पैमाने पर बहुपक्षीय अभ्यास के लिए अपने डेना विध्वंसक को भारत में तैनात किया। भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे बड़ा बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'मिलान 2024' बंगाल की खाड़ी में पूर्वी बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया था। युद्धाभ्यास में 50 देशों की नौसेनाओं के युद्धपोतों ने भाग लिया।

यूरोपीय देशों में इस्राइल-हमास संघर्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज

पेरिस (वार्ता)। इस्राइल और गाजा के बीच जारी संघर्ष के खिलाफ यूरोपीय देश के विश्वविद्यालयों में भी विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। इस मुद्दे पर पेरिस के विशिष्ट विश्वविद्यालय साइंसेज पोस्ट पर शुक्रवार को विद्यार्थियों ने धरना दिया और आवाजाही को रोक दिया। यहां इस्राइल समर्थक प्रदर्शनकारी और फिलिस्तीन समर्थक विद्यार्थियों के आमने-सामने आने से तनाव और अधिक बढ़ गया।

फिलिस्तीनी समर्थक छात्रों ने काले और सफद केफइए हेड स्कार्फ पहना, जो गाजा के साथ एकजुटता का प्रतीक बन गया है जबकि इस्राइल समर्थक प्रदर्शनकारी इस्राइली फ्रांसीसी झंडे के साथ थे। इस बीच, फिलीस्तीनी समर्थक विद्यार्थियों ने संस्था से गाजा में इस्राइल की कार्रवाई की निंदा करने की मांग की। इस दौरान, विद्यार्थियों में पिछले सप्ताह कोलंबिया विश्वविद्यालय में सामूहिक गिरफ्तारी को लेकर बेहद नाराजगी दिखी। गौरतलब है कि इस्राइली हमले में करीब 34,305 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है। इनमें से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे है।

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में, पुलिस ने शुक्रवार को जर्मन संसद के सामने कार्यकर्ताओं द्वारा स्थापित फिलिस्तीन समर्थक शिविर को हटाना शुरू कर दिया, जो सरकार से इस्राइल को हथियारों के निर्यात को रोकने और अमेरिका तथा अन्य पश्चिमी देशों में गति पकड़ रहे फिलिस्तीनी एकजुटता आंदोलन के अपराधीकरण को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने तंबू उखाड़ दिये और प्रदर्शनकारियों को जबरन हटा दिया। शिविर में आने वाले अन्य लोगों को रोकने के लिए आसपास के क्षेत्र को अवरुद्ध कर दिया।

तूफान से अमेरिका के नेब्रास्का और आयोवा में इमारतें ढहीं

ओमाहा (एपी)। मध्य पश्चिमी अमेरिका में शुक्रवार को भीषण तूफान ने जमकर कहर बरपाया जिससे नेब्रास्का राज्य के ओमाहा में इमारत ढह गई। इमारतें मलबे कई लोग दब गए और सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

तूफान से शुक्रवार रात तक कई लोगों के घायल होने की खबरें मिली। आयोवा में रात को लगातार तूफान की चेतावनियां जारी की गईं। नेब्रास्का की लैंकास्टर काउंटी में तूफान के कारण व्यावसायिक इमारत गिरने से तीन लोग घायल हो गए। प्राधिकारियों ने बताया कि इमारत के मलबे में कई लोग फंस गए लेकिन सभी को बचा लिया गया और उन्हें जानलेवा चोटें नही आई है। सोशल मीडिया पर आयी तस्वीरों से पता चलता है कि ओमाहा से करीब 48.3 किलोमीटर दूर आयोवा के मिडन शहर में भी काफी नुकसान पहुंचा है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने आयोवा, कंसास, मिसौरी, ओक्लाहोमा और टेक्सास के कई हिस्सों में तूफान की चेतावनी जारी की है। मौसम विज्ञानियों ने भारी बारिश और तेज हवा चलने की आशंका जताई है। ओमाहा पुलिस के लेफ्टिनेंट नील बोनाकी ने बताया कि शुक्रवार को तूफान के कारण शहर में सैकड़ों मकानों को नुकसान पहुंचा।

देश को गुलाम बनाने वालों से समझौता करने के बजाए जेल में रहने को तैयार

लाहौर (भाषा) पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कोई भी समझौता करने से इनकार कर दिया है। जेल में बंदपाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, वह और नौ साल जेल में रहने के लिए तैयार हैं , लेकिन जिन्होंने देश को गुलाम बना दिया है उनके साथ कभी कोई समझौता नही करेंगे।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 28वें स्थापना दिवस पर जारी संदेश में खान ने कहा कि देश पर तानाशाही थोपी गई है। यह अर्थव्यवस्था, शासन, लोकतंत्र और न्यायपालिका के विनाश का कारण बनने वाली है। जेल में बंद खान ने कहा, यह देश के लिए मेरा संदेश है कि मैं वास्तविक आजादी के लिए कोई भी बलिदान दे दूंगा लेकिन अपने देश की आजादी से कभी समझौता नहीं करूंगा। खान ने कहा कि उन्हें फर्जी और मनगढंत मामलों के कारण पिछले नौ महीने से जेल में रखा गया है। अगर मुझे नौ और साल जेल में रहना पड़ा तो मै जेल में रहूंगा लेकिन मै उन लोगों के साथ कभी समझौता नही करूंगा जिन्होंने मेरे देश को गुलाम बना लिया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री का यह संदेश तब आया है जब पीटीआई नेता शहरयार अफरीदी ने दावा किया कि पार्टी बात करेगी लेकिन बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी या सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के हालिया प्रस्तावों के बाद उनके साथ बातचीत नही करेगी। अफरीदी ने कहा, हम सेना प्रमुख, आईएसआई के महानिदेशक और सेना के साथ बात करेंगे क्योंकि समय की मांग देश की सुरक्षा को प्राथमिकता देना है।

राफा पर हमला से पूर्ण समझौते का आखिरी मौका

तेल अवीव (आईएएनएस)। इस्राइल ने गाजा पट्टी के दक्षिण में राफा शहर पर योजनाबद्ध हमलों को रोकने के लिए हमास से 33 बंधकों को रिहा करने की मांग की है। इस्राइली रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, यह मांग मोसाद प्रमुख डेविड बर्निया ने अपने खुफिया प्रमुख मेजर जनरल अब्बास कामेल के नेतृत्व वाले मिस्र के प्रतिनिधिमंडल के सामने रखी थी। इस्राइल राफा शहर पर योजनाबद्ध हमला से पहले गाजा में युद्धविराम और बंधक समझौते को हासिल करने के नवीनतम प्रयासों को आखिरी मौका के रूप में देख रहा है।

■ इस्राइल ने की 129 बंधकों में से 33 बुजुर्ग, महिला और बीमार को रिहा करने की मांग

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने हाल ही में काहिरा की यात्रा के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को राफा पर योजनाबद्ध हमले पर अपने देश की चिंता जताई थी। मिस्र को डर है कि राफा क्षेत्र पर हमले से नागरिक तबाही होगी। साथ ही मिस्र में बड़ी संख्या में शरणार्थियों का पलायन होगा क्योंकि राफा, देश के सिनाई क्षेत्र से सटा है। इस्राइल ने अपनी आंतरिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, 129 इजरायली बंधकों में 33 लोग ऐसे हैं जो बुजुर्ग, महिला और बीमार की श्रेणी में आते हैं। इस्राइल के मुताबिक, 129 बंधकों में से कई की मौत हो चुकी है। इस्राइली खुफिया ने दावा किया है कि सैन्य कमांडर और 7 अक्टूबर 2023 के नरसंहार का मास्टरमाइंड याह्या सिनवार बंधकों को मानव ढाल के रूप में रखकर राफा के सुरंगों में छिपा है। इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने योजनाबद्ध हमले से पहले ही राफा में अपनी विशिष्ट नाहल ब्रिगेड को तैनात कर दिया है। वरिष्ठ इस्राइली अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार को तेल अवीव में मिस्र और इस्राइली प्रतिनिधियों के बीच बातचीत बेहतर और केंद्रित थी। जाहिर तौर पर मिस्र किसी समझौते पर पहुंचने के लिए फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास पर दबाव बनाने के लिए तैयार थे। टाइम्स ऑफ इस्राइलीायल ने शुक्रवार देर शाम रिपोर्टों के हवाले से कहा कि बातचीत के सभी क्षेत्रों में प्रगति हुई है। इस्त्राइली अधिकारी के हवाले से कहा गया कि इस्राइल राफा में योजनाबद्ध सैन्य हमले को रोकने के लिए हमास को विशेष रूप से गाजा पट्टी में उसके नेता याह्या अल-सिनवार को बंधक समझौते में देरी करने की अनुमति नहीं देगा।

इस्राइली हमलों में मरने वालों की संख्या 34,356 हुई

गाजा (आईएएनएस)। गाजा पट्टी में जारी इस्राइली हमलों में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या बढ़कर 34,356 हो गई है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस्राइली सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान 51 फिलिस्तीनियों को मार डाला और 75 अन्य घायल हो गए। 7 अक्टूबर 2023 को इस्राइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 34,356 हो गई है और 77,368 लोग घायल हुए हैं। कुछ पीड़ित अभी भी मलबे के नीचे और सड़कों पर हैं। इस्राइली सेना ने एम्बुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल को उन तक पहुंचने से रोक दिया है। इस बीच, इस्राइली अधिकारियों ने चिंता जताई कि गाजा के राफा में संभावित जमीनी कार्रवाई से इस्राइल के खिलाफ अंतराष्ट्रीय कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

अमेरिका में सड़क हादसे में तीन भारतीय की मौत

न्यूयॉक (भाषा)। अमेरिकी राज्य दक्षिण कैरोलिना में सड़क दुर्घटना में कथित तौर पर तीन भारतीय महिलाओं की मौत हो गई।मीडिया में आई खबरों के अनुसार यह हादसा तब हुआ, जब चालक ने तेज रफ्तार कार पर नियंत्रण खो दिया और वह हवा में लगभग 20 फुट उछलकर पेड़ों से टकरा गई।

'फॉक्स कैरोलिना' की खबर के अनुसार, दक्षिण कैरोलिना राजमार्ग गश्ती दल ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार की दोपहर लेकसाइड रोड के निकट इंटरस्टेट 85 से लगे स्टॉन्टन ब्रिज रोड पर हुई। ग्रीनविले काउंटी कोरोनर कार्यालय के अधिकारी माइक एलिस ने बताया कि कथित तौर पर भारतीय महिलाएं इंटरस्टेट 85 के उत्तर की ओर जाने वाली सड़क पर एसयूवी में यात्रा कर रही थीं। खबर के मुताबिक, अधिकारियों ने पुष्टि की कि तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। एलिस ने बताया कि पीड़ित महिलाएं जॉर्जिया की थीं। कार का चालक घायल है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उनकी हालत के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है।

सीआरपीएफ कर्मियों पर हमले के लिए जिम्मेदार समूह को कड़ी चेतावनी

इंफाल (भाषा)। मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने बिष्णुपुर जिले में सुरक्षा बलों के एक शिविर पर हमले के लिए जिम्मेदार समूह को शनिवार को कड़ी चेतावनी दी। हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवानों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पत्रकारों से बातचीत में सिंह ने कहा, 'जिसने भी यह कृत्य किया है उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। हम अपराधियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए सभी आवश्यक संसाधन और एजेंसियों को गोलबंद कर रहे है।'

उन्होंने कहा, 'उग्रवादियों ने शनिवार तड़के मोइरांग थाना क्षेत्र के नारानसेना में आईआरबीएन (इंडिया रिजर्व बटालियन) शिविर पर गोलीबारी की। अंधेरा होने के बावजूद, सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। घायल चार जवानों में से दो ने दम तोड़ दिया।' सिंह ने कहा, 'ये सुरक्षा बल इस क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए दूर-दराज के स्थानों से आए है।' उन्होंने कहा, 'आज

■ हमले में दो सीआरपीएफ कर्मियों की हो गई थी मौत

से, हमने असम राइफल्स और सेना सहित सभी सुरक्षा बलों को अभियान तेज करने का निर्देश दिया है। हम दिन-प्रतिदिन के अभियानों के लिए रणनीति बना रहे है। हम अपराधियों को पकड़ने के लिए अपनी जांच में कोई कसर नही छोड़ेंगे।'

हाल में कांगपोकपी जिले में एक पुल को क्षतिग्रस्त करने वाले आईईडी विस्फोट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिंह ने राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे और केंद्रीय बलों पर हमलों पर चिंता व्यक्त की।

सुरक्षा बलों पर हमले को लेकर आश्चर्य व्यक्त करते हुए सिंह ने कहा, 'हमें ऐसे हमलों की आशंका नहीं थी, खासकर यह देखते हुए कि मेइती और कुकी से संबंधित दोनों उग्रवादी समूह ऐतिहासिक रूप से शांति बनाए रखने में लगे सुरक्षा बलों को निशाना बनाने से बचते रहे है।'

कल्कि
2898 - एडी
अमिताभ बच्चन का लुक हुआ जारी

नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में है, इस फिल्म के बारे में बहुत चर्चा हो रही है। पिछले साल हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर उनका पहला लुक पोस्टर सामने आया था तब से प्रशंसकों को फिल्म में अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार है। नया पोस्टर हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित विभिन्न भाषाओं में साझा किया गया। सफ़ेद पोशाक पहने, अमिताभ बच्चन को मंदिर के अंदर रहस्यमय ढंग से बैठे और प्रकाश की चमकदार किरण की ओर देखते हुए देखा जा सकता है। पोस्टर पर लिखा है- ''समय आ गया है''। 'कल्कि 2898 एडी' ने पिछले साल सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में शुरुआत के बाद बड़े पैमाने पर वैश्विक प्रशंसा अर्जित की थी। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्देशित फिल्म बहुभाषी है, जो पौराणिक कथाओं से प्रेरित साइंस फिक्सन तमाशा है।

बॉलीवुड

'तेजस' का वर्ल्ड प्रीमियर

कंगना राणावत के अभिनय से सजी फिल्म 'तेजस' आतंकवाद के खिलाफ जारी देश की लड़ाई है। आज दोपहर 12 बजे ज़ी सिनेमा लेकर आ रहा है देशभक्ति और बर्दस्त एक्शन से भरपूर फिल्म 'तेजस' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर। जांबाज़ एयर फोर्स पायलट, खतरनाक मिशन और छिपे हुए दुश्मन की दहशत और कुछ नहीं हो सकता! सर्वेश मेवाड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अंशुल चौहान, आशीष विद्यार्थी, वरुण मित्रा और विशाक नायर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में है। आसमानी दृश्य और हैरतअंगेज एक्शन शॉट्स के साथ रोमांस, सस्पेंस और देशभक्ति है। यह बहादुर फाइटर पायलट तेजस और देश को बचाने के उसके अटूट हौसले की कहानी है, जहां वो जोखिम भरे बचाव मिशन पर निकल पड़ती है। एयरफोर्स एकेडमी की ज़िद्दी कैडेट होने से लेकर जुनूनी पायलट बनने तक का सफर है।

प्रणव मिश्रा का ट्रांजिशन

प्रणव मिश्रा ने टीवी शो बड़े अच्छे लगते है 2 में अपनी भूमिका से आकर्षित कर लिया था और पिछले साल 'द केरला स्टोरी' में बॉलीवुड में अपनी ब्लॉकबस्टर शुरुआत की। अपनी शानदार अभिनय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने एंटी हीरो की भूमिका निभाई। उन्होंने दूरदर्शन सिरीज़ स्वराज में अन्संग हीरो की भूमिका निभाते हुए बिल्कुल विपरीत पक्ष भी दिखाया। अभिनेता ने अपने एंटी हीरो के साथ-साथ हीरो की भूमिका के लिए भी शूटिंग की। स्वराज में उन्होंने अन्संग हीरो अजीमुल्ला खान की भूमिका निभाई। वे कहते है- ''दोनों ही प्रोजेक्ट्स की शूटिंग एक साथ की गई थी, यह दो विपरीत भूमिकाओं की शूटिंग थी।'' स्वराज दूरदर्शन शो है, जो स्वतंत्रता सेनानियों पर प्रकाश डालता, जिन्हें बहुत कम लोग जानते है। प्रणव ने अजीमुल्ला खान की भूमिका निभाई, जिन्होंने 1857 के विद्रोह की शुरुआत की थी, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के तहत पयाम-ए-आजादी नाम से भारत की पहली प्रिंटिंग प्रेस शुरू की थी। उन्होंने वन्दे मातरम् भी छापा। अभिनेता ने बताया- ''मैने रेफरेंस मटेरियल्स लिए और फ्रेंच भी सीखी ताकि मै संवाद बोल सकूँ।''

अपने बर्थडे पर खुद को गिफ्ट की सोलो ट्रिप

भाग्य लक्ष्मी कलाकार - ऐश्वर्या खरे (लक्ष्मी) पार्वती (त्रिशा सारडा) को लेकर मुंबई जाने का फैसला करती है। ऐश्वर्या ने हाल ही में खुद को सोलो ट्रिप गिफ्ट करके अपना बर्थडे मनाया। ऐश्वर्या बताती है, ''मुझे काफी लंबे समय से अपने जन्मदिन पर सोलो ट्रिप पर जाने का इंतज़ार था। सोलो ट्रिप करना वाकई बहुत जरूरी है क्योंकि इससे खुद को खोजने, आत्मविश्वास बढ़ाने, ज्यादा आत्मनिर्भर बनने और अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर आने में मदद मिलती है। मुझे ऐसी जगहों पर जाना बहुत अच्छा लगता है, जो मुझे प्रकृति के करीब महसूस कराए और स्थानीय लोगों से जोड़े, जो सादगी और सुकून भरी ज़िंदगी जीते है। सेशेल्स की यात्रा करना मेरी बकेट लिस्ट में शामिल था और मै बहुत खुश हूं कि इस साल मैने यह की। वहां मैने स्कूबा डाइविंग भी की। एडवेंचर एक्टिविटीज़ में मुझे मेडिटेशन (ध्यान) की तरह महसूस होता है।''

21 साल बाद राखी की वापसी ''आमार बॉस''

''आमार बॉस'' निर्देशक-जोड़ी नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी की प्रतीक्षित फिल्म है, इसमें अनुभवी अभिनेत्री राखी मुख्य भूमिका में है। ''आमार बॉस'' 21 साल बाद दिग्गज अभिनेत्री की बड़े पर्दे पर वापसी है। अभिनेता और निर्देशक शिबोप्रसाद मुखर्जी ने कहा- ''नंदिता रॉय और मैने हमेशा गर्मियों में अपनी फिल्में रिलीज की है। हम 21 जून को फिल्म रिलीज करने के लिए तैयार है। यह हमारे ड्रीम प्रोजेक्ट्स है।'' निर्देशक जोड़ी ने बेलाशे, प्रक्तान, पोस्टो, हामी, कोंथो और बेलाशुरू जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी है। नंदिता रॉय ने कहा- ''राखी दी के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। उनकी कृपा, प्रतिभा और अपनी कला के प्रति समर्पण ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। उनके साथ सहयोग करना जारी रहेगा।'' ''आमार बॉस'' दिल छू लेने वाली कहानी है, जो घर और कार्यस्थल पर रिश्तों की संवेदनशीलता और अंतर्दृष्टि के साथ पेश करती है।

महिलाओं को ताकत और प्यार - सानिका

कलर्स का 'मंगल लक्ष्मी' दो बहनों के सफर की कहानी है। इसमें मंगल (दीपिका सिंह) अपनी बहन लक्ष्मी (सानिका) के अभिभावक और सहयोगी के रूप में है। मंगल अपनी शादी में संघर्ष कर रही है, फिर भी वह बहन लक्ष्मी के ऐसा जीवनसाथी खोजने का अथक प्रयास कर रही है, जो उसका सम्मान करे। सानिका अमित कहती है- ''ऐसा किरदार निभाना किसी सपने के सच होने जैसा लगता है, जो लाखों महिलाओं के दिल को छू जाता है। सबसे बड़ी जीत यह है कि शो महिलाओं को ताकत और प्यार पाने के लिए प्रेरित करता है। दृढ़ समर्थन और महिलाओं के लिए शक्तिशाली उदाहरण पेश करती है, जो सिस्टरहुड की ताकत की याद दिलाते हुए अनिगनत अन्य महिलाओं को प्रेरणा दे रहा है। दीपिका दी मेरी बड़ी बहन की तरह है। हम आमतौर पर अपना लंच साथ करते है।''

मनोरंजन के डेली डोज

डीडी फ्री डिश पर नया हिंदी मूवी चैनल ज़ी अनमोल सिनेमा 2 आ रहा है। युवा दर्शकों की बढ़ती रुचि और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, यह साउथ की डब और हिंदी फिल्मों का मिश्रण पेश करता है। युवा ग्रामीण दर्शकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हिंदी फिल्म चैनल नहीं है, 'नए भारत का नया साथी' के रूप में खास पहचान बनाकर इस कमी को पूरा करना है। 300 से ज्यादा फिल्म टाइटल्स के संग्रह के साथ, इसका लक्ष्य डीडी फ्री डिश के लिए टेलीविजन देखने के अनुभव को बेहतर बनाना है। यह 26 अप्रैल से डीडी फ्री डिश चैनल नंबर 73 पर उपलब्ध है।

डीजे के संदेह के घेरे में

सोनी सब का 'वंशज' युविका महाजन (अंजलि तत्रारी) की कहानी है, जो लैंगिक आधार पर विरासत दिए जाने के बजाय योग्यता के आधार पर पारिवारिक व्यवसाय में उत्तराधिकार दिए जाने पर जोर देती है। युविका (अंजलि तत्रारी) व डीजे (माहिर पांधी) के बीच प्रतिद्वंद्विता है। डीजे, एम्ब्युलेंस में दादाबाबू (पुनीत इस्सर) के रहस्यमय साथी का सच सामने ला पाने से असफल रहता है। अंजलि कहती है- ''युक्ति कई तरह की भावनाओं का अनुभव कर रही है क्योंकि उसकी मां भूमि उसके विवेक को लेकर सवाल उठा रही है, डीजे और पूरे महाजन परिवार के संदेह का भी सामना करना पड़ रहा है। वह डीजे को हराने के अपने लक्ष्य को किसी भी हाल में विफल नहीं होने देगी।'' माहिर कहते है- ''डीजे असली अपराधी की पहचान करने में फंस जाता है। उसे किसी तरह से पूरा यकीन है कि यह युक्ति है लेकिन उसके पास ठोस सबूत नहीं है इसीलिए वह बहुत परेशान है। डीजे के लिए, उसकी छवि, गद्दी और उसकी मां बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।''

100 एपिसोड पूरे होने का जश्न

एण्डटीवी के शो अटल के 100 एपिसोड पूरे हो चुके हैं! यह शो भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन को गढ़ने वाले वर्षों पर आधारित है। अपनी खुशी जाहिर करते हुए, कृष्णा देवी वाजपेयी की भूमिका निभा रहीं नेहा जोशी ने कहा. ''हमारे लिये बड़ा पल हैए हम बेहद रोमांचित हैं। साथी कलाकार तथा पर्दे के पीछे के पात्र हैं, क्योंकि उनके निरंतर समन्वय और कड़ी मेहनत से यह संभव हुआ है। हम राम नवमी मनाने के लिये अयोध्या गये थे।'' नन्हे अटल की भूमिका निभा रहे व्योम ठक्कर ने कहा. ''यह सफर बेहतरीन रहा और अब हम लोग परिवार की तरह हो गये हैं।'' कृष्ण बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभा रहे आशुतोष कुलकर्णी ने कहा, ''अटल' के साथ मेरा सफर बेहतरीन रहा। समर्पित टीम के संयुक्त प्रयासों ने इसको सफल बनाया है।''

कलाकारों ने डांस के लिए जाहिर किया प्यार

हर साल 29 अप्रैल को मॉडर्न बैले डांस स्टाइल के क्रिएटर जॉर्जेस नोवरे का जन्मदिन मनाया जाता है, जिसे इंटरनेशनल डांस डे के रूप में मान्यता दी गई है। डांस आर्ट फॉर्म है, जो लोगों को अलग-अलग डांस स्टाइल्स के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त करने और कहानियां कहने में सक्षम बनाता है। जी टीवी कलाकारों ने डांस के प्रति अपना प्यार जाहिर किया और बताया -

मुनीरा कुदरती - ''बचपन से ही डांस मेरी जिंदगी में लगातार चलने वाली चीजों में से रहा है। जब मै छोटी थी तो मुझे म्यूज़िक वीडियो देखना और एक्टर्स के स्टेप्स को कॉपी करना बहुत अच्छा लगता था। बाद में जब मुझे डांस के प्रति अपने प्यार का एहसास हुआ, तो मैने अपने स्कूल के डांस टीचर से डांस सीखना शुरू कर दिया। जब भी मै डांस करती हूं तो खुद को उसमें पूरी तरह डुबो देती हूं।''

निक्की शर्मा - डांस वर्कआउट करने का शानदार तरीका है और मै फिटनेस फ्रीक हूं इसलिए जब भी मौका मिलता है, मै डांस करना पसंद करती हूं। डांस मेरा जुनून था। बचपन में मै सोचती थी कि अगर मुझे डांस करना आत तो मै एक्ट्रेस बन सकती हूं। अच्छा म्यूज़िक और थोड़ा-सा मूवमेंट दिन को खुशनुमा बना सकता है।

राची शर्मा - मुझे डांस करना बहुत पसंद है, यह तनाव दूर करने की सबसे अच्छी दवा है। स्कूल में मैने डांस क्लास चुनी। डांस भावनाओं को ज़ाहिर करने का तरीका और सुकून की प्रक्रिया है। क्लासिकल डांस स्टाइल के साथ-साथ मै कॉन्टेम्परेरी डांस स्टाइल सीखने के लिए भी उत्सुक हूं।

निहारिका रॉय - डांस किसी भावना से कम नहीं है। प्रशिक्षित डांसर के रूप में, मुझे म्यूज़िक की धुन से ज्यादा खुशी और कोई नहीं देता। तनाव और थकान दूर करने का मेरा तरीका है - पसंदीदा गानों पर खुलकर डांस करना। सुबह की शुरु आत मेरी वार्म-अप एक्सरसाइज़ के रूप में जोशीली धुनों पर डांस करने से होती है।

सीरत कपूर - डांसिंग की मेरी सबसे पुरानी यादों में से है। डांस मेरा पहला प्यार है। बचपन में मै सभी पार्टियों और कार्यक्रमों में परफॉर्म करती थी और 'कजरा रे' मेरा फेवरेट गाना होता था। डांस मुझे तरोताजा और चुस्त महसूस कराता है। हम भी डांस वीडियो बनाना पसंद करते है। मुझे बस बॉलीवुड और पंजाबी म्यूज़िक पर डांस करने की फिक्र रहती है।

पारस कलनावत - डांस मुझमें खुशी, शांति और आज़ादी का एहसास जगाता है। डांस करना हमेशा मजेदार होता है। पेशेवर डांसर न होने के बावजूद, मैने अपनी घबराहट को कभी डांस के प्रति अपने प्यार में रुकावट नहीं बनने दिया। डांस हमारी कहानी कहने में जादू जोड़ता है। ■

टीवी

वसीम ने परिवार की बात की

सोनी सब का 'आंगन अपनों का' जयदेव शर्मा (महेश ठाकुर) और उनकी तीन बेटियों, पल्लवी (आयुषी खुराना), तन्वी (अदिति राठौर) और दीपिका (नीता शेट्टी) के साथ पारिवारिक ड्रामा है। वसीम मुश्ताक (दीपिका के पति वरुण) ने कहा- ''परिवार से दूर रहना हमेशा भावनात्मक रूप से मुश्किल होता है, न केवल अभिनेताओं के लिए, बल्कि आजीविका कमाने के लिए देश के अन्य हिस्सों से आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए भी लेकिन यह हमारा ही चुनाव होता है इसलिए हम इस तरह से जीना सीख जाते है। अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के कारण मुझे अपने गृहनगर कश्मीर गए हुए काफी समय हो गया है। मुझे लगता है कि अपने गृहनगर में जाने से वह हार्ड रीसेट बटन बस यूं ही दब जाती है, जिसकी हमें अपने कार्यस्थल पर समय-समय पर सख्त ज़रूरत होती है, और अगली बार जब मै घर जाना तय करूंगा तो शायद ड्राइव करके कश्मीर जाने की योजना बनाऊं।''

चिलचिलाती गर्मी में ऊनी कपड़े पहनकर शूटिंग

सोनी सब का शो 'वंशज' विरासत संबंधित विवादों पर केंद्रित है। दिग्विजय उर्फडीजे (माहिर पांधी) है, जो युविका (अंजलि तत्रारी) से विरासत की जंग लड़ रहा है। माहिर ने भूमिका निभाने के लिए ऊनी कपड़े पहनकर उम्बरगांव की चिलचिलाती गर्मी का सामना किया। माहिर ने कहा ''हम शूटिंग उमरगांव में कर रहे है, जो गुजरात की सरहद में है। गुजरात में मौसम बेहद गर्म है जबकि हमारी कहानी के अनुसार, मौसम थोड़ा ठंडा होना चाहिए क्योंकि महाजन परिवार उत्तरी भारत में है। मुझे वेस्ट, ब्लेज़र और ऊनी पैट के साथ थ्री-पीस ऊनी सूट पहनना था। गर्मी में आउटडोर शूटिंग कर रहे है। गर्मी में इतने मोटे कपड़े पहनना और स्क्रीन पर अच्छा भी दिखना आसान नहीं है। यह मुश्किल काम है ।''

मीरा ने पहना 35 किलो का लहंगा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के मनोरम ड्रामा 'कुछ रीत जगत की ऐसी है' में नंदिनी (मीरा देओस्थले) का कॉस्ट्यूम वाली पोशाक का वज़न 35 किलोग्राम है। इसमें कढ़ाई का बारीक काम वाला शानदार 'पनेतर लहंगा' शामिल है। चमकदार गढ़ चोलो, सोने के जटिल काम से सजाया गया लाल दुपट्टा, जो नंदिनी की पोशाक को राजसी एहसास देता है। मीरा देओस्थले कहती है, '' मुझे पनेतर पहनने का मौका मिला, जिसे गुजराती दुल्हनें पहनती है। गुजराती होने के नाते, यह एहसास काफी खास था। मैने इस मास्टरपीस को 20-25 दिनों तक पहना लेकिन यह लहंगा काफी भारी था; ज्वेलरी के साथ, इसका वज़न 35 किलोग्राम था, लेकिन सांस्कृतिक पोशाक पहनने में अपनी अनूठी सुंदरता है। इसे पहनकर चलना असंभव था। जब मेरी शादी का समय आएगा तो मै कोई साधारण पोशाक पहनकर शादी कर लूंगी।'' (वह हंसती है)

रोजाना डांस करती शुभांगी

डांस या नाचना कलात्मक अभिव्यक्ति है, हर साल 29 अप्रैल को दुनियाभर के लोग इंटरनेशनल डांस डे मनाने के लिये एकजुट होते हैं। इसमें नृत्य के महत्व को सम्मान दिया जाता है और उसके विविध रूपों को समझा जाता है। शुभांगी अत्रे 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी ने बताया. ''मैं अनुभवी डांसर और इंस्ट्रक्टर भी हूँ। डांसिंग मेरी जिन्दगी का जरूरी हिस्सा है। मुझे कथक में विशेषज्ञता है। यह प्राचीन साहित्य, पुराणों तथा कविताओं से प्रेरित शास्त्रीय भारतीय नृत्य है। कथक आध्यात्मिक और भक्तिमय नृत्य है, जिसकी हर मुद्रा का गहरा अर्थ होता है। कथक की प्रस्तुतियों के दौरान बजने वाला पारंपरिक संगीत तबला और सितार जैसे वाद्ययंत्रों से मिलता है। वह संगीत दूसरी दुनिया का माहौल बना देता है, जो मुझे गहराई से प्रभावित करता है। डांसिंग से मुझे तनाव और नकारात्मकता से मुक्ति मिलती है और आजादी का बोध होता है। मैं रोजाना डांस करती हूँ, क्योंकि उससे मुझे खुशी मिलती है।''

माया के किरदार में नाकिया

स्टार भारत के शो 'शैतानी रस्में' में, निक्की की भूमिका के लिए प्रसिद्ध नाकिया हाजी नए अवतार में नजर आएंगी। नाकिया ने कहा- ''मेरा नया अवतार आधुनिक और पारंपरिक तत्वों का मिश्रण है, जिसमें माँ काली की उग्रता के संयोजन के साथ अभिनेत्री गैल गैडोट की 'वंडर वुमन' की ताकद, रोष और शक्ति भी समाई हुई है। मुझे अपने फाइनल लुक में पहुंचाने के लिए लगभग तीन घंटे लगे, जिसमें बॉडी पर पेंट लगाना और कई भारी भरकर चीजें शामिल थीं जो मुझे पहनाई गई थी। एक दिन मै काफी बीमार थी लेकिन फिर भी मुझे तीव्र गुस्सा व्यक्त करना पड़ा। यह मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव था क्योंकि इसने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपनी कला के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित किया। जहां वह अपने परिवार की रक्षा करने के लिए क्रोध से भरी हुई है। ठीक वैसे ही जैसे शेरनी अपने बच्चों की रक्षा करती है।''

करण ने बताया पिता होने का सफर

जी टीवी का आने वाला शो 'मै हूं साथ तेरे' सिंगल मां जानवी (उल्का गुप्ता) की ज़िंदगी के सफर पर ले जाने को तैयार है। यह ऐसी मां की चुनौतियों को दर्शाता है, जो अपने काम के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियां भी संभालती है। जानवी की मुलाकात अमीर बिज़नेसमैन आर्यमन से होती है और करण वोहरा पिता का रोल निभाने को लेकर बेहद उत्साहित है। वोहरा ने कहा- ''पिछले साल मै जुड़वा बच्चों का बाप बना और पिता होने से ज्यादा सुकून कुछ भी नही देता। मेरे बच्चे और पत्नी दिल्ली में रहते है, जबकि मै मुंबई में शूटिंग करता हूं। मुझे उनकी बहुत याद आती है लेकिन मै वक्त निकालकर उनसे जरूर मिलता हूं। मुझे यह रोल निभाने का इंतजार था। अब मुझे रील लाइफ में भी पिता का रोल निभाने का मौका मिलेगा।''

पप्पी को बेनकाब करने की योजना

सोनी सब का 'आंगन अपनों का' पल्लवी (आयुषी खुराना) की कहानी है, वह शादी के बाद दोनों परिवारों की रक्षा करना चाहती है और ज़िम्मेदारियों को पूरा करना चाहती है। केवल अपने बेटे रवि (अंकित गुलाटी) के भविष्य की खातिर पप्पी मेहरा (अश्विन कौशल) द्वारा दिए गए कागज़ात पर हस्ताक्षर करने हेतु सहमत हुई थी। पप्पी की करतूतों के कारण परिवार पहले ही काफी कुछ झेल चुका है और इससे वे और भी अपमानित होंगे। आकाश अवस्थी की भूमिका निभा रहे समर वरमानी ने कहा- ''पूरा अवस्थी परिवार पप्पी द्वारा किए गए कामों और चाची व उसके बेटे के इसमें शामिल होने के कारण तनाव में है। आकाश के पिता पहले ही अपमानित हो चुके है और इससे परिवार में लगातार तनाव बना हुआ है।''

साहस, त्याग, प्रेम, द लेजेंड ऑफ हनुमान

पौराणिक योद्धाओं सुग्रीव और अंगद के साथ मिलकर भगवान हनुमान बुराई से लड़ने के लिये तैयार है। डिज्नी+ हॉटस्टार की द लेजेंड ऑफ हनुमान के नये सीजन में शरद केलकर और दमन बग्गन की आवाजें है। भगवान हनुमान का साहस पूरे संसार के लिये बहुत मायने रखता है। उनकी कालजयी गाथा के चित्रण में उस शक्ति को साझा करना मिशन है। रावण की आवाज बने शरद केलकर ने कहा- ''राक्षसों के राजा रावण की आवाज बनना मेरे लिये बेहद निजी यात्रा रही है। यह महान लोकोक्ति पर आधारित है। इसके माध्यम से मैने कई गाथाओं को जाना है।''

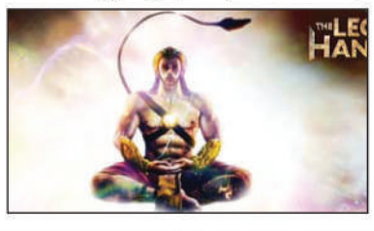

सारथी के मार्गदर्शन से ढल गई देबात्तमा

कलर्स का नया शो 'कृष्णा मोहिनी' द्वारका, गुजरात में रहने वाले भाई और बहन की प्यारी कहानी है। कृष्णा (देबात्तमा साहा) मोहन (केतकी कुलकर्णी) की बड़ी बहन है, बल्कि उसकी 'सारथी' भी है, जीवन की हर चुनौती के दौरान प्रकाश पुंज बनकर उसे दिशा दिखाती है। द्वारका की जीवंत गलियों में घूमने वाला और अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाने वाला, उसका किरदार स्कूटी पर घूमता है। देबात्तमा कहती हैं- ''यह नया कौशल सीखना रोमांचक चुनौती रहा है। स्कूटी चलाना देखने में भले ही काफी सरल लगता है लेकिन इसके लिए अच्छे समन्वय और संतुलन की ज़रूरत होती है। मुझे यह पसंद आ रही है और मैं ज्यादा आत्मविश्वास महसूस कर रही हूं। मेरी सारथी, मेरी बेस्ट फ्रेंड फॉरएवर के मार्गदर्शन में मैं स्कूटी चलाने का अभ्यास कर रही हूं। कृष्णा का जुनून को आगे बढ़ाते हुए और टूरिस्ट गाइड के रूप में काम करते हुए, अपने छोटे भाई मोहन की देखभाल करने के इर्द-गिर्द घूमता है।''

विरासत कर का समझें गणित

भारत में विरासत पर टैक्स की व्यवस्था 1953 में शुरू हुई थी लेकिन 1985 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा इस व्यवस्था को खत्म कर दिया गया। यह टैक्स आमतौर पर धनी व्यक्तियों पर लगाया जाता था। इस व्यवस्था को खत्म करने की मुख्य वजह यह थी कि इसके तहत जितना टैक्स वसूला जाता था उससे ज्यादा रकम इस व्यवस्था को संचालित करने पर खर्च हो जाती थी जिससे यह टैक्स सरकारों के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा था

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

विरासत पर टैक्स अर्थात इनहेरिटेंस टैक्स का मामला इन दिनों काफी चर्चा में है। कई देशों की सरकारें अपने धनाढ्य नागरिकों पर इस टैक्स को लगाती हैं। अमेरिका में भी यह टैक्स लगाया जाता है लेकिन संघीय या केंद्र सरकार के स्तर पर इस टैक्स को लगाने का वहां कोई कानून नहीं है बल्कि वहां के कुछ राज्य इस तरह का टैक्स वसूलते हैं। यह टैक्स पहले भारत में भी लगाया जाता था लेकिन 1985 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने इसे खत्म कर दिया था। यह टैक्स क्या है, इस पर कितने फीसद की दर से टैक्स वसूला जाता था और इसे क्यों खत्म किया गया। आइए इन सारे सवालों के जवाब विस्तार से जानने की कोशिश करते हैं

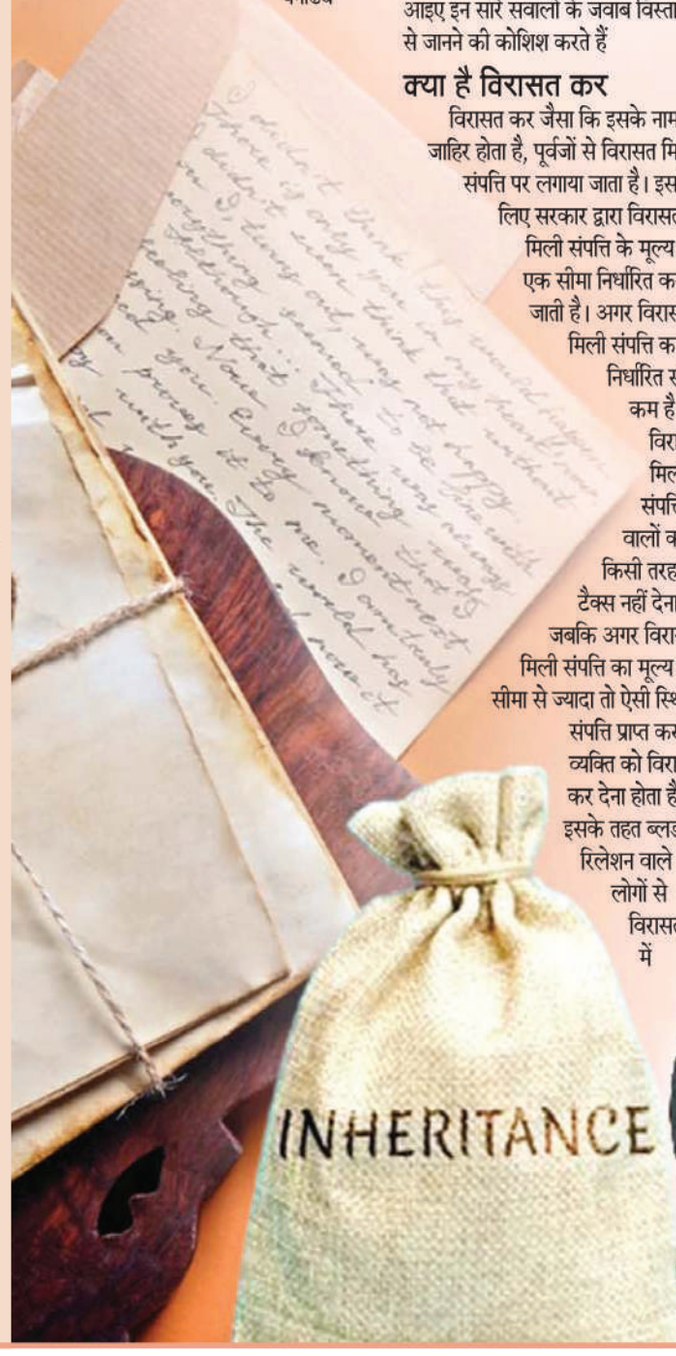

क्या है विरासत कर

विरासत कर जैसा कि इसके नाम से जाहिर होता है, पूर्वजों से विरासत मिली संपत्ति पर लगाया जाता है। इसके लिए सरकार द्वारा विरासत में मिली संपत्ति के मूल्य की एक सीमा निर्धारित कर दी जाती है। अगर विरासत में मिली संपत्ति का मूल्य निर्धारित सीमा से कम है तो विरासत में मिली संपत्ति पाने वालों को किसी तरह का टैक्स नहीं देना पड़ता जबकि अगर विरासत में मिली संपत्ति का मूल्य तय सीमा से ज्यादा तो ऐसी स्थिति में संपत्ति प्राप्त करने वाले व्यक्ति को विरासत कर देना होता है। इसके तहत ब्लड रिलेशन वाले लोगों से विरासत में मिली संपत्तियों को भी रखा जाता है। जैसे दादा-दादी से मिली संपत्ति पर पोते को विरासत कर देना होता है। फिलहाल भारत में विरासत कर यानी इनहेरिटेंस टैक्स नहीं लगाया जाता।

किस दर से लगता है विरासत पर टैक्स

जिन देशों के नागरिकों पर विरासत कर लगाया जाता है उन देशों में टैक्स की दर 55 से 70 फीसद तक होती है। अमेरिका की संघीय सरकार इस तरह का टैक्स नहीं वसूलती जबकि राज्य सरकारें इन हेरिटेंस टैक्स की वसूली करती हैं और उनकी कर वसूली दरें अलग-अलग होती हैं। बेल्जियम में विरासत कर की दरें सबसे ज्यादा 80 फीसद हैं, दक्षिण कोरिया में 50% और स्पेन में अधिकतम दरें 34% हैं। सिंगापुर ने विरासत कर को एक नए रूप में लागू किया था। इसके तहत यदि मृतक की संपत्ति उसकी इच्छा या वसीयत के अनुसार किसी परिजन को दी जाती है तो संपत्ति ट्रांसफर करते वक्त संपत्ति मूल्य की दस फीसद रकम स्टांप ड्यूटी के रूप में वसूली जाती है। लेकिन जनवरी 2011 में यह व्यवस्था खत्म कर दी गई। जर्मन में यह शुल्क विरासत छोड़ने वाले व्यक्ति के विरासत पाने वाले व्यक्ति से संबंधों अर्थात रिश्तों के आधार पर वसूला जाता है। इसके अलावा आस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन जैसे देशों में इस तरह का कोई टैक्स नहीं लगाया जाता। अमेरिका में जिन राज्यों द्वारा यह टैक्स लगाया जाता है वहां विरासत छोड़ने वाले व्यक्ति के विरासत पाने वाले व्यक्ति के रिश्तों के आधार उन्हें छूट दी जाती है या कर की दरें उसी आधार पर रखी जाती हैं। उदाहरण के तौर पर अमेरिका राज्य आयोवा में आयोवा पति-पत्नी, वंशानुगत वंशज जैसे माता-पिता, दादा-दादी और परदादा और वंशानुगत वंशज बच्चे, सौतेले बच्चे, पोते-पोतियां और परपोते को टैक्स से छूट प्रदान की गई है। अन्य रिश्तों के आधार पर कर की दर दो से छह फीसद तक रखी गई है। हालांकि आयोवा में यह टैक्स अगले वर्ष खत्म कर दिया जाएगा।

कैसे होती है इनहेरिटेंस टैक्स की गणना

इनहेरिटेंस टैक्स सिर्फ विरासत में मिली संपत्ति के एक हिस्से पर लाग होता है। इसके लिए विरासत में कर योग्य संपत्ति के लिए एक मूल्यसीमा तय कर दी जाती है। इसी मूल्य सीमा और विरासत छोड़ने वाले व्यक्ति के विरासत पाने वाले व्यक्ति से खूनी रिश्तों के आधार पर विरासत कर की दर तय की जाती है। अगर विरासत छोड़ने वाले व्यक्ति का संबंध विरासत पाने वाले व्यक्ति से कोई नजदीकी रिश्ता होता है तो उसे इस कर से छूट भी मिल सकती है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका के जिन छह राज्यों में विरासत कर लगाया जाता है वहां मरने वाले व्यक्ति की पत्नी अगर जीवित है तो उसे भी इनहेरिटेंस टैक्स से छूट मिलती है।

भारत में यह कर क्या फिर होगा शुरू

फिलहाल भारत में विरासत कर लागू करने की कोई योजना नहीं है। हालांकि वियना स्थिति डब्ल्यूयू ग्लोबल टैक्स पॉलसी सेंटर के निदेशक जेफरी ओवेन्स ने सुझाव दिया है कि 'भारत को उच्च सीमा के साथ विरासत/संपत्ति कर को फिर से शुरू करने के मामले की समीक्षा करने की आवश्यकता है, इसलिए इसे बहुत अमीर लोगों पर लक्षित किया गया है।'

भारत में मौजूदा कानून

मौजूदा समय में भारत में पुरखों द्वारा छोड़ी गई संपत्ति के तहत किसी प्रकार का विरासत कर नहीं लागू होता। ऐसे में जब किसी ऐसे व्यक्ति की मृत्यु होती है जिसके पास अकूत संपत्ति है तो यह संपत्ति उसके परिजनों में खासकर नजदीकी रिश्तेदारों के बीच उनके धार्मिक कानून जैसे शरीया कानून या हिन्दू लॉ अथवा भारतीय संविधान में दी गई व्यवस्था के आधार पर वितरित कर दी जाती है। इस संपत्ति पर अगर किसी व्यक्ति पर कोई टैक्स बनता भी है तो वह उस संपत्ति पाने वाले व्यक्ति के आयकर स्लैब के आधार पर उसपर अपना टैक्स अदा कर देता है।

आमतौर पर धनी लोगों के लिए है यह टैक्स

आमतौर पर विरासत कर की अवधारणा धनाढ्य व्यक्तियों को ध्यान में रख कर तैयार की गई थी। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है जिसके पास मरते वक्त सिफर दो चार लाख रुपये की संपत्ति होती है तो ऐसे हालात में उस संपत्ति को पाने वाले व्यक्ति से कोई विरासत कर नहीं वसूला जाता। जबकि अगर कोई धनी व्यक्ति अपने बच्चों के लिए अरबों रुपयों की संपत्ति छोड़ जाता है तो उसके बच्चों अथवा अन्य रिश्तेदारों से उनके आपसी रिश्तों के आधार पर तय की गई टैक्स की दर के आधार कर वसूली की जाती है।

अगले महीने अर्थात 31 मई को हम विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाने जा रहे हैं। धूम्रपान या स्मोकिंग सेहत के लिए बेहद हानिकारक है और इससे सेहत को होने वाले नुकसान को सभी जानते हैं लेकिन इसके बावजूद करोड़ों लोग अपने इस शौक को नहीं छोड़ रहे। क्या आप जानते हैं कि सेहत के अलावा धूम्रपान आपके फ्यूचर की फाइनेंशियल प्लानिंग को भी प्रभावित करती है। अगर नहीं जानते तो आज हम आपको यह बताएंगे कि स्मोकिंग आपके फ्यूचर की फाइनेंशियल प्लानिंग को कैसे नुकसान पहुंचा सकती है

जीवन बीमा के लिए भी हानिकारक है स्मोकिंग

हर व्यक्ति चाहता है कि वह अपने परिवार को हमेशा खुश रखे और इसके लिए वह तरह-तरह के जतन करता है। यहां तक कि उसकी वृद्धावस्था के दिनों में परिवार पर किसी तरह का आर्थिक संकट ना आए इसके लिए वह अपने भविष्य के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करता और थोड़ी-थोड़ी रकम बचाकर लंबी अवधि में एक बड़ा वित्तीय कोष तैयार कर सके जो उसके ना रहने की स्थिति में परिवार के काम आ सके। चूंकि फाइनेंशियल प्लानिंग में 'बीमा' एक अहम किरदार निभाता है इसलिये हर व्यक्ति अपने लिए फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग करते वक्त एक जीवन बीमा प्लान खासकर टर्म इंश्योरेंस को जरूर शामिल करता है। किसी भी प्रकार की जीवन बीमा पालिसी बेचते वक्त बीमा कंपनियां कई तरह के मानकों को अपनाती हैं। इन्हीं मानकों में एक मानक यह भी होता है कि बीमा खरीदने वाला व्यक्ति क्या धूम्रपान करता है। अगर बीमा कंपनियों को यह पता चलता है कि जीवन बीमा पालिसी खरीदने वाला व्यक्ति धूम्रपान का आदी है तो वे उक्त व्यक्ति को बीमा बेचने से पहले कुछ ऐसे कदम उठाती हैं जिससे बीमा खरीदने वाले व्यक्ति अथवा उसके परिजनों को पालिसी का भरपूर फायदा नहीं मिल पाता। अर्थात बीमा खरीदने वाले व्यक्ति को बीमा खरीदते वक्त धूम्रपान की आदत का खमियाजा भुगतना पड़ता है। इसलिये हम कहत सकते हैं कि किसी भी व्यक्ति के धूम्रपान अथवा तंबाकू का सेवन करने की आदत उसकी सेहत को तो प्रभावित करती ही है साथ ही उसके भविष्य की फाइनेंशियल प्लानिंग को भी प्रभावित करती है।

धूम्रपान करने वालों को देना होगा ज्यादा प्रीमियम

जब भी हम बात करते हैं फाइनेंशियल प्लानिंग की तो सबसे पहले हमारा ध्यान जीवन बीमा या टर्म इंश्योरेंस प्लान की तरफ जाता है। अर्थात हमारे भविष्य की वित्तीय योजना बनाते वक्त हमें जीवन बीमा को जरूर शामिल करना चाहिए। लोगों की इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए बीमा कंपनियों ने जीवन बीमा खरीदने वालों को दो श्रेणियों में विभाजित किया है। पहली श्रेणी में उसने अपने सामान्य ग्राहकों को रखा है और दूसरी श्रेणी में ऐसे ग्राहक रखे गए हैं जो स्मोकिंग के आदी हैं। अगर व्यक्ति धूम्रपान या तंबाकू का आदी है तो जीवन बीमा कंपनियां सबसे पहले यह देखती हैं कि स्मोकिंग के कारण उस व्यक्ति को कोई बीमारी तो नहीं हो गई है। अगर व्यक्ति किसी गंभीर रोग का शिकार हो चुका है तो बीमा कंपनी उस व्यक्ति से ज्यादा प्रीमियम वसूलती हैं। आमतौर पर बीमा कंपनियां 50 फीसद तक ज्यादा प्रीमियम लगा सकती हैं। गौरतलब है कि धूम्रपान या तंबाकू के सेवन से फेफड़ों के कैंसर, स्ट्रोक, हृदय रोग व टीबी जैसी कई बीमारियां व्यक्ति को घेर लेती हैं। भारत में हर साल धूम्रपान या तंबाकू का सेवन करने के कारण दस लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है।

बीमा कंपनी को दें सही जानकारी

जीवन बीमा प्लान या टर्म इंश्योरेंस प्लान खरीदते वक्त बीमा कंपनी से कोई भी जानकारी कतई न छिपाएं। खासकर धूम्रपान करने की जानकारी बीमा खरीदते वक्त बीमा कंपनी को अवश्य दें। क्योंकि जब आप टर्म इंश्योरेंस प्लान के लिए आवेदन करते है, तो बीमा कंपनी आपसे पूछती है कि आपने बीते एक साल में तंबाकू या धूम्रपान का सेवन किया है अथवा नहीं। अगर आप यह जानकारी छिपा ले जाएंगे तो बीमा कंपनी निकोटिन टेस्ट के जरिये खुद पता लगा लेगी कि आप धूम्रपान के आदी हैं या नहीं। ऐसे में बीमा कंपनी आपकी पालिसी रद्द कर सकती है या पालिसी देने से ही मना कर सकती है। इससे आपकी फ्यूचर प्लानिंग भी प्रभावित होगी।

क्लेम भी हो सकता है निरस्त

अगर बीमा कंपनी को बाद में पता चलता है कि आपने टर्म इंश्योरेंस प्लान खरीदते वक्त धूम्रपान की आदत छिपा लिया था तो ऐसे में परिजनों द्वारा किए गए बीमा दावे को भी निरस्त किया जा सकता है। धूम्रपान में सिर्फ सिगरेट ही नहीं बल्कि हर तंबाकू उत्पाद को शामिल किया गया है। इसलिय अगर आप सिगरेट नहीं भी लेते हैं और किसी अन्य तंबाकू उत्पाद का सेवन करते हैं तो उसके बारे में भी जानकारी देना जरूरी है।

कैसे तय होता है प्रीमियम

बीमा कंपनी प्रीमियम का निर्धारण करने से पहले बीमा खरीदने वाले व्यक्ति से तंबाकू का सेवन करने की अवधि, उससे होने वाली बीमारी, अथवा सिर्फ विशेष अवसरों पर तंबाकू का इस्तेमाल करने से जुड़ी जानकारी जुटा लेती है और इसी के आधार पर बीमा का प्रीमियम तय करती है। इसके लिए कंपनी बीमा खरीदने वाले व्यक्ति की स्वास्थ्य जांच भी कराती है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी स्वास्थ्य जांच में निकोटिन ना पाई जाए तो आपको कम से कम एक साल तक के लिए तंबाकू उत्पादों का सेवन बंद करना होगा। ऐसा करने से हो सकता है आपकी तंबाकू की आदत ही छूट जाए।

(बिजनेस डेस्क)

नौकरी हासिल करने के लिए भी बेहतर क्रेडिट स्कोर जरूरी

अब तक बैंक लोन हासिल करने के लिए बेहतर क्रेडिट स्कोर होना जरूरी था लेकिन अब नौकरियां हासिल करने के लिए एक अच्छे क्रेडिट स्कोर की जरूरत होती है। सबसे अच्छा क्रेडिट स्कोर 850 अंक माना जाता है लेकिन अगर यह स्कोर 500 के आसपास होता है उसे कम माना जाता है। इसलिये हर व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने क्रेडिट स्कोर को बेहतर बनाए रखे। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए अपना वित्तीय रिकार्ड अच्छा रखना जरूरी है

जब भी कोई व्यक्ति बैंक से लोन लेता है तो बैंक उसके क्रेडिट स्कोर की जांच करते हैं। अगर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है तभी उसके लोन को मंजूरी मिल पाती है। अतः हम यह कहा सकते हैं कि बैंक से कर्ज हासिल करने के लिए क्रेडिट स्कोर का अच्छा होना जरूरी है क्योंकि बैंक क्रेडिट स्कोर कर्ज देते वक्त एक महत्वपूर्ण मानक के रूप में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बेहतर क्रेडिट स्कोर अब सिर्फ बैंक लोन के लिए ही नहीं बल्कि कई नौकरी हासिल करने के लिए भी जरूरी हो गया है। अगर नहीं जानते तो हम आज आपको इसके बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं। लेकिन इससे पहले आप यह समझ लीजिये कि क्रेडिट स्कोर क्या होता है और इसका निर्धारण कैसे किया जाता है।

क्रेडिट स्कोर या क्रेडिट रिपोर्ट क्या है

जब भी कोई व्यक्ति किसी वित्तीय संस्थान अथवा बैंक से लोन लेता है या किसी बैंक के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करता है तो उसकी इन गतिविधियों पर नजर रखी जाती है कि क्या उक्त व्यक्ति ने लोन की ईएमआई समय पर जमा की, या क्रेडिट कार्ड से खर्च की गई रकम का भुगतान समय पर कर दिया है या नहीं। इसके अलावा यह भी देखा जाता है कि उक्त व्यक्ति का कोई बैंक चेक बाउंस तो नहीं हुआ है या उसका कोई बैंक लोन डिफाल्ट तो नहीं हुआ। किसी भी व्यक्ति का क्रेडिट स्कोर तय करने के लिए इस तरह की तमाम गतिविधियों पर कुछ अंक दिये जाते हैं जिससे व्यक्ति का क्रेडिट स्कोर कम या ज्यादा होता है। अगर किसी व्यक्ति की क्रेडिट रिपोर्ट में उसका क्रेडिट स्कोर काफी कम है तो बैंक ऐसे व्यक्ति को लोन देने से मना कर देते हैं।

कौन तय करता है स्कोर

सरकार ने क्रेडिट स्कोर तय करने व उसके रखरखाव के लिए देश की चार कंपनियों को लाइसेंस प्रदान किया है। इन चार कंपनियों में ट्रांसयूनियन सिबिल, इक्विफैक्स, एक्सपेरियन और CRIF हाईमार्क शामिल हैं। इन संस्थाओं को हर व्यक्ति की वित्तीय गतिविधियों से जुड़ी जानकारी एकत्र करने और उसकी रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। यह कंपनियां देश के हर नागरिक की वित्तीय जानकारी जुटाकर उसका क्रेडिट स्कोर तैयार करती हैं। चूंकि देश में सभी बैंक खाते अब पैन व आधार से जुड़ गए हैं इसलिये इन कंपनियों को किसी भी व्यक्ति का डेटा जुटाने में जरा भी दिक्कत नहीं होती।

किस डेटा से बनती है रिपोर्ट

क्रेडिट रिपोर्ट तैयार करने के लिए यह चारों संस्थान देश के हर नागरिक जिसका अपना बैंक खाता है उसकी वित्तीय गतिविधियों को एकत्रित कर उसकी क्रेडिट रिपोर्ट तैयार करते हैं। रिपोर्ट तैयार करने में बैंक लोन की अदायगी, क्रेडिट कार्ड लोन की अदायगी, आनलाइन शापिंग, बिलों के भुगतान, चेक बाउंस, चेक के जरिये होने वाले बड़े आफलाइन भुगतान समेत कई तरह के वित्तीय लेनदेन का ब्योरा एकत्रित किया जाता है। प्रत्येक वित्तीय लेनदेन के लिये कुछ अंक दिये जाते हैं। अगर वित्तीय लेनदेन का ट्रैक रिकार्ड अच्छा है तो ज्यादा नंबर मिलते हैं और अगर यह ट्रैक रिकार्ड अच्छा नहीं है तो कम नंबर मिलते हैं।

कितना क्रेडिट स्कोर जरूरी

अब सवाल यह उठता है कि अपना वित्तीय रिकार्ड बेहतर रखने के लिए क्रेडिट स्कोर कितना होना चाहिए। आपको इस बात की जानकारी होना जरूरी है कि 800 से 850 अंक का क्रेडिट स्कोर सबसे बेहतर माना जाता है। इसके अलावा अगर किसी का क्रेडिट स्कोर 740 से 799 के बीच है तो वह 'बहुत अच्छा' की श्रेणी में रखा जाता है। 670 से 739 का क्रेडिट स्कोर 'अच्छा' की श्रेणी में है जबकि 580 से 669 का क्रेडिट स्कोर संतोषजनक माना जाता है। लेकिन अगर किसी का क्रेडिट स्कोर इससे भी कम है तो वह 'खराब' की श्रेणी में रखा जाता है। इतना कम क्रेडिट स्कोर रखने वाले व्यक्ति को कर्ज देने से बैंक मना भी कर सकते हैं।

नौकरियों में क्रेडिट स्कोर की अहमियत

बैंकों व अन्य वित्तीय सेवाओं में नौकरियां हासिल करने के लिए भी अब क्रेडिट स्कोर की जांच की जाती है। अगर किसी व्यक्ति का क्रेडिट स्कोर अच्छा नहीं है। बैंकों ने उसे लोन डिफाल्टर घोषित कर रखा है तो उसे किसी भी वित्तीय संस्थान में नौकरी आसानी से नहीं मिल सकेगी। इसके लिए भले ही उसे लिखित परीक्षा पास कर ली हो लेकिन उसे इंटरव्यू में क्रेडिट स्कोर के बेहतर होने के जो अंक मिलने थे वह नहीं मिलेंगे जिससे उसका इंटरव्यू प्रभावित होगा। फिलहाल देश के कई प्रमुख बैंकों ने अपने यहां नौकरियां देने के लिए क्रेडिट स्कोर की जांच शुरू कर दी है।

इसके अलावा कई अन्य वित्तीय संस्थान भी अब नौकरी देने में बेहतर क्रेडिट स्कोर रखने वाले को वरीयता देते हैं। देश में काम करने वाली कई मल्टीनेशनल कंपनियों ने भी अपने यहां नौकरी के लिए आवेदन करने वालों को इंटरव्यू में बुलाने से पहले ही उनका क्रेडिट स्कोर जांचते हैं और जिनका क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है उसी को इंटरव्यू या लिखित परीक्षा के लिए आमंत्रित किया जाता है। इसलिये आपको चाहिए कि अपना वित्तीय रिकार्ड हमेशा बिलकुल ठीक रखें ताकि भविष्य में आपको नौकरी प्राप्त करने में किसी तरह की दिक्कत ना हो।

(बिजनेस डेस्क)

आईपीएल-2024 : मुंबई इंडियंस की आगे की मुश्किलें बढ़ीं

धांसू जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ की रेस में मजबूती से बरकरार

● नई दिल्ली

ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार दूसरा मैच जीतकर दमदार वापसी की है। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन में शनिवार (27 अप्रैल) को दिल्ली ने अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस को 10 रनों से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया, जिसमें दिल्ली ने 258 रनों का टारगेट सेट किया। जवाब में मुंबई टीम 9 विकेट गंवाकर 247 रन ही बना सकी और मैच गंवा दिया।

टीम के लिए तिलक वर्मा ने 32 गेंदों पर सबसे ज्यादा 63 रनों की धांसू पारी खेली, जबकि कप्तान हार्दिक पंड्या ने 24 गेंद पर 46 और टिम डेविड ने 17 गेंदों पर 37 रन बनाए, मगर इनमें से कोई भी अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स के लिए मुकेश कुमार, रसिक सलाम ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि खलील अहमद को 2 सफलता मिलीं। इस मुकाबले में जीत के साथ ही दिल्ली टीम प्लेऑफ में मजबूती से बरकरार है। उसने अब तक 10 में से 5 मुकाबले जीते हैं। इस जीत के साथ दिल्ली 10 अंक के साथ टेबल में 5वें नंबर पर आ गई है। दूसरी ओर मुंबई की टीम 9वें नंबर पर काबिज है। उसने 9 में से 3 ही मैच जीते हैं। उसके लिए अब प्लेऑफ की राह मुश्किल हो गई है। अब मुंबई को प्लेऑफ के लिए अपने बाकी बचे सभी 5 मैच हर हाल में जीतने होंगे।

जेक फ्रेजर-मैकगर्क

84 रन | **27** गेंद | **11** चौके | **06** छक्के

जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने 15 गेंदों पर जमाई आतिशी फिफ्टी, 27 गेंदों पर जड़े 84 रन

मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली टीम ने 4 विकेट गंवाकर 257 बनाए। टीम के लिए ओपनर जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने 15 गेंदों पर फिफ्टी जमाई। हालांकि मैकगर्क आईपीएल में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। वो 27 गेंदों पर 84 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और 11 चौके लगाए। मैकगर्क के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 गेंदों पर 48 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि शाई होप ने 17 गेंदों पर 41 रन जड़े। कप्तान ऋषभ पंत ने 29 रन बनाए। मुंबई के लिए ल्यूक वुड, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला और मोहम्मद नबी ने 1-1 विकेट हासिल किया।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
जेक फ्रेजर कै.नबी बो.चावला	84	27	11	6
पोरेल कै.किशन बो.नबी	36	27	3	1
शे होप कै.तिलक बो.ल्यूक वुड	41	17	0	5
पंत कै.रोहित बो.बुमराह	29	19	2	2
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	48	25	6	2
अक्षर पटेल नाबाद	11	6	0	1

अतिरिक्त: 8, **कुल**: 20 ओवर में 257/4, **विकेट पतन**: 1-114, 2-127, 3-180, 4-235, **गेंदबाज़ी**: ल्यूक वुड 4-0-68-1, जसप्रीत बुमराह 4-0-35-1, नुवान तुषारा 4-0-56-0, पीयूष चावला 4-0-36-1, हार्दिक पंड्या 2-0-41-0, मोहम्मद नबी 2-0-20-1.

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
इशान किशन कै.अक्षर बो.मुकेश	20	14	4	0
रोहित शर्मा कै.होप बो.खलील	8	8	1	0
सूर्यकुमार कै.विलियम्स बो.खलील	26	13	3	2
तिलक वर्मा रन आउट (सब)	63	32	4	4
पंड्या कै.मुकेश बो.सलाम	46	24	4	3
वढेरा कै.पंत बो.सलाम	4	2	1	0
टिम डेविड पगबाधा बो.मुकेश	37	17	2	3
मोहम्मद नबी कै.होप बो.सलाम	7	4	0	1
चावला कै.होप बो.मुकेश	10	4	1	1
ल्यूक वुड नाबाद	9	3	0	1

अतिरिक्त: 17, कुल: 20 ओवर में 247/9, **विकेट पतन**: 1-35, 2-45, 3-65, 4-136, 5-140, 6-210, 7-223, 8-234, 9-247, गेंदबाज़ी: लिज़ाड विलियम्स 3-0-34-0, खलील अहमद 4-0-45-2, मुकेश कुमार 4-0-59-3, कुलदीप यादव 3-0-47-0, अक्षर पटेल 2-0-24-0, रसिख सलाम 4-0-34-3.

लखनऊ को रौंदकर प्लेऑफ की दहलीज पर राजस्थान

लखनऊ । संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स टीम इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन में अपनी 8वीं जीत दर्ज कर प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंच गई है। उसने शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ राजस्थान के अब 16 पॉइंट्स हो गए हैं और अब भी टॉप पर काबिज है। यह अंक प्लेऑफ में एंट्री के लिए काफी हैं, मगर अगली एक जीत राजस्थान टीम की प्लेऑफ में एंट्री पक्की कर देगी।

राजस्थान ने अब तक 9 में से 8 मुकाबले जीते हैं। दूसरी ओर केएल राहुल की कप्तानी वाली लखनऊ टीम ने अब तक 9 में से 5 मुकाबले जीते हैं। इसी के साथ ये टीम अब चौथे नंबर पर बरकरार है। यह मौजूदा मुकाबला लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला गया, जिसमें टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ ने 197 रनों का टारगेट सेट किया था। जवाब में राजस्थान ने 19 ओवरों में 3 विकेट गंवाकर 199 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया है। टीम के लिए कप्तान संजू सैमसन ने 33 गेंदों पर 71 रन और ध्रुव जुरेल ने 34 गेंदों पर 52 रनों की नाबाद पारी खेली। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए राजस्थान टीम ने 5 विकेट गंवाकर 196 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
डिकॉक बो.बोल्ट	8	3	2	0
राहुल कै.बोल्ट बो.आवेश	76	48	8	2
स्टॉयनिस बो.संदीप	0	4	0	0
दीपक हुड्डा कै.पॉवेल बो.अश्विन	50	31	7	0
निकोलस पूरन कै.बोल्ट बो.संदीप	11	11	1	0
आयुष बदोनी नाबाद	18	13	1	0
क्रुणाल पंड्या नाबाद	15	11	1	0

अतिरिक्त: 18, **कुल**: 20 ओवर में 196/5, **विकेट पतन**: 1-8, 2-11, 3-126, 4-150, 5-173, **गेंदबाज़ी**: ट्रेंट बोल्ट 4-0-41-1, संदीप शर्मा 4-0-31-2, आवेश खान 4-0-42-1, रवि अश्विन 4-0-39-1, युज़वेंद्र चहल 4-0-41-0.

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल कै.बिश्नोई बो.स्टॉयनिस	24	18	3	1
बटलर बो.ठाकुर	34	18	4	1
सैमसन नाबाद	71	33	7	4
रियान पराग कै.बदोनी बो.मिश्रा	14	11	0	1
ध्रुव जुरेल नाबाद	52	34	5	2

अतिरिक्त: 4, कुल: 19 ओवर में 199/3, **विकेट पतन**: 1-60, 2-60, 3-78, **गेंदबाज़ी**: मैट हेनरी 3-0-32-0, मोहसिन खान 4-0-52-0, यश ठाकुर 4-0-50-1, मार्कस स्टॉयनिस 1-0-3-1, क्रुणाल पंड्या 4-0-24-0, अमित मिश्रा 2-0-20-1, रवि बिश्नोई 1-0-16-0.

उबेर कप : राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण विजेता को हराकर अश्मिता चालिहा ने किया उलटफेर

नई दिल्ली । भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने अपने से ऊंची रैंकिंग की खिलाड़ी मिशेल ली को हराकर उलटफेर कर दिया है, जिससे भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने शनिवार को उबेर कप टूर्नामेंट जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। भारतीय महिला टीम ने इस तरह कनाडा पर 4-1 की जीत से टूर्नामेंट में सकारात्मक शुरुआत की है। रैंकिंग में 53वें स्थान पर काबिज चालिहा ने मानसिक मजबूती और जज्बे का शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की 25वें रैंकिंग की खिलाड़ी ली को शुरुआती सिंगल्स मैच में 26-24, 24-22 से मात दी। ली 2014 और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीत चुकी हैं। फरवरी में पहली बार एशिया टीम चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहीं चालिहा ने पीवी सिंधू सहित शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी अच्छी तरह निभाई।

मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के देव मीणा ने दुबई में पोल वॉल्ट में जीता कांस्य

21वीं एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

● भोपाल / खेल संवाददाता

दुबई में आयोजित 21वीं एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में मप्र राज्य अकादमी के खिलाड़ी देव मीणा ने पोल वोल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीत कर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया।

देव मीणा ने 5.10 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक पर अपना कब्जा जमाया। प्रतियोगिता का स्वर्ण कतर के मो. ए. अब्देल सला ने 5.51 मीटर के साथ अपने नाम किया। रजत पदक जापान के योशिदा रिकूया (05.25 मी.) के नाम रहा। उल्लेखनीय है कि देव मीणा का यह पहला अंतर्राष्ट्रीय पदक है। देव मीणा ने गोवा नेशनल गेम्स से पेरू लीमा वर्ल्डकप के लिए पात्रता अर्जित की थी। अंडर-20 वर्ल्डकप अगस्त 2024 में पेरू लीमा में होगा। इसके लिए अकादमी के 2 खिलाड़ी अब तक ने पात्रता अर्जित कर चुके है। देव मीणा पोल वॉल्ट में और एकता डे 3000 मीटर स्टिपल चेस में भाग लेंगे।

ज्योति ने लगाई स्वर्ण पदक की हैट्रिक

तीरंदाजी विश्वकप चरण-1 : भारत ने कंपाउंड टीम स्पर्धा में जीते 5 पदक

शंघाई । एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शानदार प्रदर्शन कर शंघाई में चल रहे तीरंदाजी विश्वकप के पहले चरण में स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगाई, जिससे भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों ने पांच पदक जीते। दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी ज्योति ने सत्र के शुरुआती वैश्विक टूर्नामेंट में मेक्सिको की शीर्ष वरीय आंद्रिया बेसेरा को शूटऑफ में हराकर यह उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही वह तीन बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी के बाद एक विश्वकप में स्वर्ण तीन पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बनीं। इससे पहले, भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड टीमों ने तीरंदाजी विश्वकप के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। महिलाओं की कंपाउंड टीम स्पर्धा में इटली को 236-225 से हराकर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की टीम ने 24 तीरों में से केवल चार अंक गंवाकर छठी वरीयता प्राप्त इटली को अच्छे अंतर से हरा दिया और सीजन के शुरुआती वैश्विक शोपीस में अपना खाता खोला।

गेम ऑन एफसी ने जीता भोपाल फुटसाल लीग का ओपनिंग मैच

भोपाल (खेल संवाददाता)। बीएफएल सेंट्रल इंडिया के सबसे बड़े फिसल लीग तीन दिवसीय फुटसाल टूर्नामेंट का शनिवार से मैंगोज स्पोर्ट्स अरेना में जोरदार आगाज हो गया है। बालिका वर्ग के इनॉग्रेशन मैच में गेम ऑन एफसी ने जीत हासिल की। इस इवेंट में मुख्य अथिति राजीव गांधी स्कूल की प्रिंसिपल शिखा भाती थीं। बीएफएल के ऑर्गनाइजर करीम उद्दीन ने बताया कि अभी तक 16 मैच हो चुके और सभी काफी रोमांचक मुकाबले रहे। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 28 अप्रैल को रात 8 बजे मैनगोइस स्पोर्ट्स अरेना में खेला जाएगा।

एशिया कप ट्रॉयथ्लॉन : मप्र अकादमी की दुर्विशा ने जीता रजत पदक

भोपाल (खेल संवाददाता)। पोखरा नेपाल में आयोजित एशिया कप ट्रॉयथ्लॉन चैम्पियनशिप 2024 में मप्र ट्रॉयथ्लॉन अकादमी भोपाल की खिलाड़ी दुर्विशा पवार ने 01:11:55 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक प्राप्त कर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया। चैम्पियनशि में नेपाल की श्रेबी महाराजन ने 1:11:46 का समय लेकर स्वर्ण पदक और भारत की प्रेरणा श्रवण ने 1:14:56 समय तय कर कांस्य पदक प्राप्त किया।

स्व. श्री अरविंद चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट आज से

भोपाल (खे.सं.)। स्व. श्री अरविंद चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 28 अप्रैल को सुबह ओल्ड कैंपियन मैदान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता तीन वर्गों विभागीय, कॉरपोरेट एवं अकादमी (ओपन) में खेली जाएगी। प्रत्येक वर्ग में पांच टीमें रहेंगी, जिनके मध्य लीग मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक वर्ग में 1 से 4 स्थान पर रहने वाली टीमों के मध्य सेमीफाइनल खेला जाएगा। इसमें डी जीपी, नगर निगम, सदय एकादश, मीडिया एकादश, हमीदिया स्पोर्ट्स, एनडीआईपीएल, जनचर्चा, पी एन्ड जी, यूबीसी, अंकुर अकादमी, अरेरा अकादमी, एनसीसीसी, अकीरा अकादमी और मयंक अकादमी की टीमें भाग लेंगी। रविवार को दो मैच खेले जाएंगे। सुबह 9 बजे से मीडिया एकादश का सामना सदय एकादश से होगा, जबकि दोपहर 1 बजे से पी एन्ड जी की टक्कर यूबीसी से होगी।

क्रिकेट | पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने बीसीसीआई और फैंस से की मांग...

हार्दिक पंड्या से सुपरस्टार जैसा बर्ताव बंद करें

● नई दिल्ली

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या के खराब प्रदर्शन से काफी नाराज हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ऑलराउंडर खिलाड़ी के रूप में हार्दिक पंड्या को इतनी प्राथमिकता नहीं देना चाहिए, क्योंकि यह भारतीय खिलाड़ी आईसीसी टूर्नामेंट में प्रभावित करने में नाकाम साबित हुआ है।

हार्दिक पंड्या आईपीएल 2024 में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। इससे उनके जून में होने वाले टी20 विश्वकप टीम में शामिल होने पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इस वैश्विक टूर्नामेंट की शुरुआत आईपीएल के मौजूदा सीजन के तुरंत बाद अमेरिका और वेस्टइंडीज में होनी है। इसके लिए आने वाले कुछ ही दिनों में भारतीय टीम की घोषणा की जा सकती है और हार्दिक टीम में जगह बनाने के दावेदारों में से एक हैं। इरफान हाल के दिनों में हार्दिक की आलोचना करने से पीछे नहीं हटते हैं और इस बार उन्होंने भारतीय ऑलराउंडर पर जमकर भड़ास निकाली है। इरफान ने कहा, हार्दिक पंड्या के बारे में कहूं तो भारतीय क्रिकेट को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि उन्हें कितनी प्राथमिकता देनी है चाहिए। हार्दिक को जितनी प्राथमिकता मिलती है उन्हें उतनी प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अब तक हमने उनकी उपस्थिति में विश्वकप नहीं जीता है। अगर आपको लगता है कि आप एक मुख्य ऑलराउंडर हैं तो आपको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस तरह का प्रदर्शन करना होगा। जहां तक ऑलराउंडर का सवाल है तो हार्दिक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस तरह से प्रभावित नहीं किया है। हम सिर्फ उसकी क्षमता के बारे में सोच रहे हैं।

हार्दिक को पूरे साल खेलने की सलाह

पठान ने हार्दिक को सलाह देते हुए कहा कि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन में काफी बड़ा अंतर होता है और हार्दिक टूर्नामेंट चुनने के बजाय पूरे साल खेलें। इरफान ने कहा, हम आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के बीच भ्रमित हो रहे हैं। दोनों में काफी अंतर है। सबसे पहले तो हार्दिक को पूरे साल खेलना चाहिए। वह चुनकर टूर्नामेंट नहीं खेल सकते। भारतीय क्रिकेट को ऐसा बंद करना होगा। किसी एक खिलाड़ी को प्राथमिकता देना बंद करें, क्योंकि अगर आप ऐसा करोगे तो बड़े टूर्नामेंट नहीं जीत सकोगे। ऑस्ट्रेलिया इतने सालों से टीम गेम को प्राथमिकता दे रहे हैं। कंगारू टीम किसी एक खिलाड़ी को सुपरस्टार नहीं बनाती। उनकी टीम में कोई एक सुपरस्टार नहीं है, बल्कि सभी सुपरस्टार हैं।

स्पेशलः इंटरनेशनल डांस-डे, 29 अप्रैल

हाल के सालों में देश-विदेश में डांस को फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए बहुत उपयोगी गतिविधि माना जाने लगा है। यह तथ्य तो सही है ही, लेकिन डांस हमारे भीतर सकारात्मकता और संवेदनशीलता का संचार करता है, सौंदर्यबोध बढ़ाता है। डांस से हम बेहतर इंसान बनते हैं और जीवन को आनंद के साथ जीने के लिए आत्मप्रेरित भी होते हैं।

जीवन की लय पर पैर की थिरकन

{ कवर स्टोरी / संध्या सिंह }

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कॉर्डियोलॉजी, जो कि एक गैरलाभकारी चिकित्सा संस्था है, उसके मुताबिक डांस यानी नृत्य गंभीर हृदय रोगी को भी जीवनदान दे सकता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डांस सामान्य जीवन की कितनी सकारात्मक गतिविधि है। समाजशास्त्रियों से लेकर मनोचिकित्सकों तक और हृदय रोग विशेषज्ञों से लेकर सामान्य लोगों तक का मानना है कि डांस हमारे फिट रहने का सबसे आसान और सरस तरीका है।

स्वास्थ्य के लिए संजीवनी

नृत्य अपने आप में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसलिए इसका महत्व इस लिहाज से बहुत ज्यादा होता है। हालांकि नृत्य की अपनी एक सामाजिक दुनिया भी है और वह कम प्रभावशाली या कम महत्व की नहीं है। लेकिन ज्यादातर आम लोगों के लिए नृत्य के सर्वाधिक फायदे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से ही जुड़े होते हैं। आम लोगों के लिए नृत्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खजाने की तरह है। अमेरिकी हृदय स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नृत्य को मांसपेशियों की ताकत, भावनात्मक सहन शक्ति और फिटनेस की अपार संभावनाओं वाला केंद्र मानते हैं। मेडिकल निष्कर्षों के मुताबिक डांस करने से 70 से 80 फीसदी तक हृदय बिना और कोई उपाय किए स्वस्थ रहता है। डांस करने से दो दर्जन लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियां जैसे चिंता, डिप्रेशन, हाइपरटेंशन और एंजाइटी आपके पास नहीं फटकती हैं। रेग्युलर डांस करने वाले लोगों का शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तो बेहतर होता ही है, उन्हें कभी ऑस्टियोपोरेसिस का खतरा नहीं रहता। इससे फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और कभी वजन भी नहीं बढ़ता है।

बढ़ती है संवेदनशीलता-सकारात्मकता

आज के दौर में नृत्य एक बड़ा कारोबार और कई रचनात्मक कलाओं का केंद्र भी बन गया है। जितने भी परफॉर्मिंग आर्ट हैं, डांस उन सबका सेंटर प्वाइंट है। लेकिन नृत्य के ये संदर्भ उन कुछ रचनात्मक लोगों से ही हैं, जो नृत्य के लिए समर्पित हैं और नृत्य की लय को जीवन की लय मानते हैं। डांस करने से आत्मविश्वास में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी होती है। यह आपकी संज्ञानात्मक मेधा में वृद्धि करता है। डांस करने से शरीर में एक लयात्मकता आती है और भरपूर लचीलापन न सिर्फ शारीरिक अंगों मे बल्कि स्वभाव और संवेदना में भी दिखता है। डांस नए दोस्त बनाने में मददगार होता है और हमारे भीतर रचनात्मकता, आत्म अनुशासन और सहयोगात्मक रूप से काम करने की क्षमता विकसित करता है।

यह तो कहने की जरूरत ही नहीं है कि डांस हमारे भीतर सौंदर्यबोध को पैदा ही नहीं करता, उसमें वृद्धि भी करता है। इसीलिए माना जाता है कि एक डांसर की आंखें दुनिया का सृजन देखती हैं। अमेरिका में हुए एक शोध के मुताबिक प्रतिदिन एक घंटे डांस करने वाले लोग बहुत रेयरली किसी आपराधिक घटना में शामिल पाए जाते हैं। नियमित डांस करने वाले लोगों के दिल दिमाग में ऐसे हार्मोन पैदा ही नहीं होते, जो उन्हें किसी भी तरह की आक्रामकता या अपराध की तरफ उन्मुख करें। डांस में इस तरह की सकारात्मकता और संवेदना होती है, जो व्यक्ति को शांत और सौम्य बनाती है। हर डांस करने वाला व्यक्ति लगभग सभी रचनात्मक कलाओं में रुचि लेता है, क्योंकि डांस उसके मन की कंडीशन और 'स्टेट ऑफ माइंड' यानी मनःस्थिति को संवेदना से भर देता है।

एक लय में हो जाते हैं तन-मन

डांस करने वाले के दिमाग में कार्टीसोल नामक हार्मोन का स्तर बेहद कम होता है और ऑक्सीटोसिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है यानी फीलगुड हार्मोन की मात्रा बढ़ती है। इसीलिए इंसान द्वारा की जाने वाली सबसे खूबसूरत और खुशहाली से भरी गतिविधि डांस को माना जाता है। कहते हैं, डांस जानने वालों को संगीत की जानकारी स्वतः ही हो जाती है, क्योंकि डांस करने वालों का शरीर ही नहीं, मन भी लय में रहता है और लय संगीत के साथ सहजता से आत्मसात हो जाता है। दुनिया में डांस के अलावा दूसरी ऐसी कोई सक्रिय गतिविधि नहीं है, जिसमें तन और मन एक लय में हो जाते हों। इसीलिए डांस सीखने से कई अन्य कलाओं से भी लगाव बढ़ने लगता है। कहने का सार यही है कि डांस केवल एक कला नहीं, केवल स्वास्थ्य सुधारने का जरिया नहीं बल्कि जीवन को आनंद के साथ जीने की एक अद्वितीय शैली भी है। *

ऐसे हुई डांस-डे की शुरुआत

डांस के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर साल 29 अप्रैल को इंटरनेशनल डांस-डे मनाया जाता है, क्योंकि यह तारीख आधुनिक बैले डांस के जनक जीन-जॉर्जेस नोवरे का जन्मदिन है। 1727 को नोवरे इसी दिन पैदा हुए थे। इसलिए साल 1982 से इस दिन को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। हर साल नृत्य दिवस की एक थीम होती है और उस थीम का एक सांकेतिक महत्व होता है। जैसे साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस की थीम थी-नृत्य दुनिया के साथ संवाद करने का एक तरीका। जबकि इस साल नृत्य दिवस की थीम है-थिएटर और शांति की संस्कृति यानी साल 2024 के नृत्य दिवस की थीम विश्व रंगमंच को समर्पित है।

{ फिटनेस / शिखर चंद जैन }

मस्ती वाला वर्कआउट डांसरसाइज

इन दिनों डांस के साथ एक्सरसाइज यानी डांसरसाइज का ट्रेंड बढ़ रहा है। इनके डिफरेंट टाइप्स के जरिए अनेक यंगस्टर्स मस्ती के साथ खुद को फिट रख रहे हैं। क्या है डांसरसाइज, आप भी जानिए।

गर्मी के दिनों में सूरज सुबह-सुबह ही तेज चमकने लगता है, इसलिए पसीने और गर्मी के डर से घर से बाहर जाकर वर्कआउट करने का मन अकसर नहीं करता है। लेकिन शरीर के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। ऐसे में आप घर में ही पंखा/कूलर चलाकर बोर हुए बिना फुल मस्ती के साथ डांसरसाइज कर सकते हैं।

जुंबा डांसरसाइज करते यंगस्टर्स

जाज डांसिंगः सुडौल पैर, जांघें और कमर के लिए जाज डांसिंग आपके लिए परफेक्ट है। इसमें आपको लीप्स, किक्स और जंप्स लेने होते हैं, जिनसे पैरों और जांघों की अच्छी खासी एक्सरसाइज हो जाती है। इससे न सिर्फ लचीलापन और शरीर का संतुलन दुरुस्त होता है बल्कि पोश्चर भी सही हो जाता है। इस डांस में हाथों के मूवमेंट भी खूब होते हैं, जिससे बाहों और हाथों का भी अच्छा वर्कआउट हो जाता है।

शिबामः 45 मिनट सेशन का यह डांस आधारित वर्कआउट विदेशों में सुपरहिट हो चुका है। इसमें लैटिन और हिप-हॉप साउंडट्रेक पर सिंपल डांस स्टेप्स परफॉर्म करने होते हैं। शिबाम की एक क्लास में 600 से ज्यादा कैलोरी तो बर्न होती ही है, साथ ही स्ट्रेस से भी राहत मिलती है। किसी कुशल ट्रेनर की देखरेख में इसकी कुछ क्लासेज अटेंड करने के बाद आप खुद ट्रेंड हो जाएंगे। शिबाम में डांस मूव्स को एरोबिक वर्कआउट के साथ ब्लेंड किया गया है। संगीत के साथ जब शरीर थिरकता है, तो आपको दोहरा लाभ मिलता है तन और मन दोनों फिट होते हैं। इस वर्कआउट से स्टेमिना और कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बढ़ने के साथ-साथ ढेर सारी कैलोरी भी बर्न होती है। तीव्रता के साथ किए गए शिबाम से प्रति घंटे 800 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं।

जाज डांसिंग करते यंगस्टर्स

जुंबाः कोलंबियन फिटनेस एक्सपर्ट द्वारा डिजाइन किया गया यह वर्कआउट हमारे देश में भी खूब पॉपुलर हो रहा है। लैटिन म्यूजिक के साथ इसमें तरह-तरह के डांस फॉर्म्स का मिक्सचर है जैसे- सालसा, बेली डांसिंग, सोका, रिगेटन आदि। जुंबा कई प्रकार का होता है जैसे स्विमिंग पूल में एक्वा जुंबा किया जाता है। बच्चों के लिए जुंबा किड्स है और बुजुर्गों के लिए जुंबा गोल्ड है। तरह-तरह के डांस पर थिरकते हुए शरीर की अच्छी-खासी वर्जिश हो जाती है। दिलचस्प होने की वजह से इसे करने में मन भी लगा रहता है।

पाइलेट्सः इसे मॉर्निंग वर्कआउट का हीरो कह सकते हैं। इसे एक जर्मन फिटनेस एक्सपर्ट ने शुरू किया था और 2005 के बाद से यह पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया। कमजोर घुटनों और पीठ दर्द के लिए यह एक शानदार वर्कआउट है, जिसे चटाई पर लेटकर म्यूजिक के साथ किया जाता है। इससे कमर के नीचे का हिस्सा मजबूत होता है और इससे फ्लैक्सिबिलिटी आती है।

पाइलॉक्सिंगः स्वीडन के डांसर विविका जेनसन, जो बाद में पाइलेट्स ट्रेनर बन गए, ने इसकी शुरुआत की। पाइलेट्स और बॉक्सिंग का फ्यूजन है पाइलॉक्सिंग। पाइलॉक्सिंग नंगे पैरों से वजनदार ग्लव्स पहन कर की जाने वाली डांस एक्सरसाइज है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद है, क्योंकि इससे उनकी फिटनेस और कॉन्फिडेंस दोनों बढ़ते हैं।

बॉलीवुड डांसिंगः एक्सरसाइज करने का मन नहीं है और मूड ऑफ है, तो बस बॉलीवुड के मस्ती भरे जोशीले गाने चला लें और उन पर थिरकना शुरू कर दें। आप फील ही नहीं कर पाएंगे कि फुल मस्ती में नाचते-नाचते आपकी पूरी बॉडी में मूवमेंट्स हो रहे हैं और अनजाने में ही घंटे भर का वर्कआउट हो गया। डांस से बॉडी में लचीलापन भी आता है।

मसाला भांगड़ाः आपके दिल के लिए यह जबर्दस्त कार्डियो एक्टिविटी है। यंगस्टर्स के लिए यह एक शानदार और मस्ती भरा वर्कआउट प्लान है। इसमें पॉप और भांगड़ा डांस का फ्यूजन है। इसमें ढोल की बीट पर फास्ट मूवमेंट्स किए जाते हैं। यह एक इंटेंस डांस वर्कआउट है। *

{ ट्रेडिशन / अंजू जैन }

प्राचीन-बहुरंगी-भव्य भारतीय नृत्य परंपरा

भले ही आज देश-विदेश में नृत्य की अनेक शैलियां विकसित हो चुकी हैं। लेकिन अपने देश में नृत्य परंपरा बहुरंगी, भव्य और अत्यंत प्राचीन रही है। यहां के शास्त्रीय और लोकनृत्यों की छटा देखते ही बनती है।

हमारे देश में नृत्य और संगीत का न सिर्फ धर्म और अध्यात्म से गहरा नाता रहा है, पौराणिक काल से इसकी परंपरा भी बरकरार है। प्राचीन ग्रंथों में से एक 'सामवेद' को संगीत का सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। भरत मुनि का 'नाट्य शास्त्र' नृत्यकला का सर्वप्रथम और प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इंद्र की सभा में मेनका आदि अप्सराओं द्वारा नृत्य किए जाने का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा सभ्यता में नृत्य करती हुई युवतियों की मूर्ति पाई गई है, जिससे साबित होता है कि उस काल में ही नृत्यकला का विकास हो चुका था। खजुराहो के मंदिर हों या कोणार्क के मंदिर, प्राचीन काल में निर्मित इन मंदिरों की दीवारों पर गंधर्वों की मूर्तियां अंकित हैं। उन मूर्तियों में लगभग सभी तरह के वाद्य यंत्रों और नृत्य भंगिमाओं को दर्शाया गया है। भगवान शिव के नृत्यरत नटराज स्वरूप के बारे में हम जानते ही हैं। उनका तांडव नृत्य भी सब जानते हैं। इसी तरह श्रीकृष्ण की रासलीला में भी नृत्य और संगीत का वर्णन मिलता है।

नृत्य का जनक है हमारा देशः हमारे देश के प्राचीन शास्त्रीय नृत्य दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। हमारे देश में नृत्य की परंपरा प्राचीन काल से ही चली आ रही है। भारत की नृत्य शैलियां दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दुनिया की कई नृत्य शैलियां तो हमारी प्राचीन नृत्यकला से ही प्रभावित हैं। नाट्यशास्त्र के अनुसार भारत में कई तरह की शास्त्रीय नृत्य शैलियां अलग-अलग राज्यों में विकसित हुई हैं जैसे- भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओडिसी, कथक, कथकली, यक्षगान, कृष्णअट्टम, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम।

भरतनाट्यम

डांडिया

कुचिपुड़ी

भरतनाट्यमः यह नृत्य भारत के अति प्राचीन नृत्यों में शुमार है। इसका उल्लेख भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में भी मिलता है। मूलतः तमिलनाडु के भरतनाट्यम नृत्य में भाव, राग और ताल का संगम होता है। इस नृत्य में चेहरे के हाव-भाव, हाथ, पैर की गतिविधियां और मुद्राओं द्वारा भावनाओं को अभिव्यक्त किया जाता है।

कथकः कथक का शाब्दिक अर्थ कथा होता है। प्राचीन काल में कथा यानी कहानी सुनाने वाले लोगों को कथक कहा जाता था। शुरुआत में यह नृत्य उत्तर भारत में ब्राह्मणों द्वारा मंदिरों में किया जाता था। यह नृत्य बालकृष्ण की लीलाओं, दंतकथा और अन्य पौराणिक कथाओं पर किया जाता है। इस नृत्य कला में चेहरे के हाव-भाव और मुद्राओं को विशेष महत्व दिया जाता है। इस नृत्य में मुकुट के साथ-साथ चेहरे के शृंगार के लिए विविध रंगों का भी प्रयोग किया जाता है। रामायण तथा महाभारत की कथा पर भी यह नाट्य नृत्य किया जाता है।

कुचिपुड़ीः कुचिपुड़ी आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में एक गांव का नाम है। इसी गांव में कुचीपुड़ी नृत्य का जन्म हुआ। शुरुआत में यह नृत्य केवल पुरुष ब्राह्मणों द्वारा ही भगवान को समर्पित किया जाता था और पुरुष ब्राह्मण ही महिला का रूप लेकर नृत्य करते थे। समय बदला तो महिलाएं भी कुचीपुड़ी नृत्य में हिस्सा लेने लगीं। इस नृत्य में शारीरिक संतुलन का कौशल प्रदर्शित किया जाता है। पानी से भरा हुआ घड़ा लेकर तथा पीतल की थाली की किनारी पर भी यह नृत्य किया जाता है।

मणिपुरीः यह नृत्यकला अन्य शास्त्रीय नृत्य कलाओं से भिन्न है। मणिपुरी नृत्य कला में पोशाक भी अन्य नृत्यकलाओं से भिन्न होती है। इसमें शरीर धीमी गति से थिरकता है। इसमें तांडव और रास्य दोनों का समावेश किया जाता है।

ओड़ीसीः कोर्णाक के सूर्यमंदिर तथा भुवनेश्वर की प्राचीन गुफा की दीवारों में इस नृत्य के चित्र मिलते हैं। इस नृत्य की मुख्य मुद्रा त्रिभंग है जिसमें सिर, शरीर और पैर तीन हिस्सों में बांटकर नृत्य अभिव्यक्त किया जाता है। इस नृत्य में भगवान विष्णु के अवतार जगन्नाथ, शिव और सूर्य की कथाएं नृत्य नाटिका से मंचित की जाती हैं।

लोकनृत्य की छटाः हमारे देश में तीज-त्योहारों या शादी-विवाह जैसे खुशी के मौकों पर भी नृत्य संगीत का आयोजन खूब किया जाता है। विभिन्न संस्कृतियों में अपनी-अपनी परंपरा के अनुसार घूमर, गिंदड़, चरकुला, गेर, चंग, डांडिया, रम्मत, ढोल और पणिहारी जैसे लोक नृत्यों का खूब आनंद उठाया जाता है। लोग तरह-तरह के स्वांग लेकर नाचते-झूमते हैं और जश्न मनाते हैं। जनजातियों की जीवनशैली का हिस्सा इन लोक नृत्यों की भी छटा देखते ही बनती है। चिकित्सक इन्हें स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक मानते हैं। शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ संगीतमय लयबद्ध थिरकन से मानसिक अवसाद से भी राहत मिलती है। *

{ गजल }

डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

जागो फैसले की घड़ी है

सभी को सियासत में अपनी पड़ी है
मुसीबत जहां थी वहीं पे खड़ी है
किए जा रहे हैं फकत घोषणाएं
अभी पास सबके तिलिस्मी छड़ी है
अगर चाहते हो चमन में महकना
तो जागो जरा फैसले की घड़ी है
तुम्हारे मतों पर है कायम सिंहासन
सभी की नजर अब तुम्हीं पे गड़ी है
बहुत काम बाकी है अब भी वतन में
प्रशासन है ढीला व्यवस्था सड़ी है
न जाने कहां जोश हमको ले जाए
अभी दास्तां हसरतों से बड़ी है
उसे भूख से प्यास से क्या गिला हो
जो हीरे जवाहर कनक से जड़ी है
दिखा देंगे इकदिन तुम्हें अपना जौहर
हमारी नजर में भी पुख्ता कड़ी है
यहां से वहां तक हैं 'नवरंग' कांटें
बढ़े पांव जब भी विवशता अड़ी है

{ लघुकथाएं }

अपना हित

भोला सुबह-सुबह काम की तलाश में घर से निकल चुका था। वह रोज दिहाड़ी मजदूरी करता है। इसी मजदूरी से उसके घर का चूल्हा जलता है। आज भी वह रोज की तरह घर से कुछ दूरी पर बने उस ठिकाने पर आकर खड़ा हो गया, जहां से शहर के लोग दिहाड़ी मजदूर लेकर जाते हैं। भोला यह सोच ही रहा था कि पता नहीं आज काम मिलेगा या नहीं? तभी वहां सफेद कुर्ता-पाजामा पहने एक व्यक्ति आया, भोला से बोला, 'तुम लोग आज के दिन भी मजदूरी करने जा रहे हो। यह तो गलत बात है।' 'क्यों गलत बात है?

आज ऐसा क्या है, जो हम मजदूरी नहीं कर सकते हैं?' भोला ने पूछा। 'आज श्रमिक दिवस है। इसे मई दिवस भी कहते हैं। यह तुम जैसे मजदूरों को अपने अधिकारों और हितों को समझने का दिन है। मैं तुम्हारे हित के लिए आया हूं।

चलो हमारे साथ सामने वाले पार्क में, वहां एक बड़ी सभा है। एक बड़े नेताजी आ रहे हैं, उनका भाषण है। नेता जी तुम्हारे अधिकारों के बारे में बताएंगे। तुम्हारे हितों की बात करेंगे।' वह व्यक्ति बोला। भोला उस आदमी से बोला, 'अच्छा तो तुम हमारे हित के लिए आए हो। हम मजदूरों का हित तो अपनी मजदूरी करने में है। अगर आज हम काम नहीं करेंगे तो हमारे घर चूल्हा नहीं जलेगा।

हमारे बीवी-बच्चे भूखे रह जाएंगे। नेता जी के भाषणों से हमारे घर का चूल्हा नहीं जलेगा, हमारा पेट नहीं भरेगा। हमें मालूम है, चुनाव आ गए हैं। इस सभा में नेता जी जो बोलेंगे, उसके पीछे हमारा नहीं, उनका हित होगा। इतने सालों में नेता जी हम मजदूरों के हित की बात करने नहीं आए, अब चुनाव के समय उन्हें हमारी सुधि आई है। क्षमा करें श्रीमान जी, हम आपके नेता जी का भाषण सुनने नहीं जा पाएंगे।' यह सुनकर वह व्यक्ति चुपचाप वहां से चला गया। *

– ललित शौर्य

कच्चे पपीते

सुनो जी, ये इतने ढेर सारे कच्चे पपीते क्यों ले आए? घर में कोई पपीते पसंद नहीं करता। इनका मैं क्या करूं?' पत्नी ने झल्लाते हुए पति से कहा।

'अरे! भाग्यवान इनकी सब्जी बना लो या हलवा बना लो।' पति बोले। 'तुम्हें तो पपीते की सब्जी बिल्कुल पसंद नहीं है, हलवा बच्चे पसंद नहीं करते। मुझे समझ नहीं आया कि जब घर में कोई कच्चा पपीता पसंद नहीं करता तो तुम बेवजह इतने ढेर सारे कच्चे पपीते लेकर ही क्यों आए?' पत्नी और ज्यादा झल्लाकर बोली। 'सच बात बताऊंगा, तुम गुस्सा तो नहीं करोगी? वो क्या है कि सड़क किनारे एक वृद्धा कच्चे पपीते बेच रही थी।

वह किसी महिला से कह रही थी, बहन जी, पपीते ले लो। दो दिन से मेरे घर चूल्हा नहीं जला है। कम दाम में ले लो। किंतु उसका पपीता उसने क्या, किसी ने भी नहीं खरीदा। मुझे उस पर दया आ गई। मैंने उस वृद्धा से पूछा- माता जी, ये पपीते कितने पैसे में देंगी? तो वह बोली-बेटा, जो उचित लगे दे दो। भगवान तुम्हारा भला करेगा। क्या करूं बेटा, बहुत गरीब हूं। घर पर दो-चार पपीते के पेड़ हैं। वही जीने का सहारा हैं। पके पपीते कुछ दिन पहले बेचे थे। उससे दो दिन घर में चूल्हा जला, लेकिन अब पके पपीते नहीं हैं तो कच्चे ही तुड़वा कर लाई हूं ताकि मेरी छोटी सी पोती को खाने को भोजन मिल जाए। वो भी दो दिन से भूखी है। बहू-बेटे दो साल पहले कोरोना में नहीं रहे। तब से जैसे-तैसे गुजारा कर रही हूं। बस मैंने उसके सारे पपीते सौ रुपए में खरीद लिए।' पति ने डरते हुए सारी बात पत्नी से कह दी। यह सुनकर पत्नी भी दुखी होकर बोली, 'ओह! बेचारी गरीब वृद्धा को सौ नहीं दो सौ रुपए दे देना था ताकि वे लोग भरपेट खाना खा पाते।'

पति यह सुनकर पत्नी का मुंह देखते ही रह गए। *

– डॉ. शैल चंद्रा

लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन सोमवार से

जौनपुर। लोकसभा चुनाव के लिए सोमवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके लिए प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। रविवार को अधिकारियों ने नामांकन स्थल का निरीक्षण किया। जौनपुर लोकसभा के लिए न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट व मछलीशहर सुरक्षित के लिए न्यायालय अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व कार्यालय में नामांकन किया जाएगा। प्रत्याशी समेत कुल पांच लोगों को ही अंदर जाने की अनुमति होगी। कलेक्ट्रेट में बैरिकेडिंग की गई है। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।जिले की दो लोकसभा क्षेत्रों में 29 अप्रैल से चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। इसी दिन से नामांकन शुरू होंगे, जो छह मई तक चलेंगे। सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर तीन बजे तक पर्चे दाखिल होंगे। नामांकन पत्रों की जांच के लिए सात मई व नाम वापसी की अंतिम तिथि नौ मई निर्धारित है। 25 मई को मतदान व चार जून को मतगणना होगी। उम्मीदवार को नामांकन स्थल से 100 मीटर की परिधि तक सिर्फ तीन वाहन ले जाने की अनुमति होगी। प्रत्याशी समेत कुल पांच व्यक्ति ही एक साथ निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित रह सकते हैं। नामांकन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी। सीसीकैमरे से भी निगरानी की जाएगी।कलेक्ट्रेट जाने वाले तीन मार्गों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। एक तरफ लाइन बाजार मार्ग तो दूसरी तरफ अंबेडकर तिराहे तो तीसरी तरफ रोडवेज के पास मियांपुर तिराहे पर बैरिकेडिंग की गई। इसके आगे किसी को भी जाने की अनुमति नहीं होगी। चुनाव आयोग की तरफ से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी के लिए चुनाव प्रचार व्यय की सीमा 95 लाख रुपये निर्धारित की गई है।

नामांकन को लेकर रूट डायवर्जन आज से

जौनपुर। यातायात पुलिस विभाग द्वारा जनपद में होने वाले निर्धारित छठवें चरण के चुनाव नामांकन के दृष्टिगत शहर के अंदर बडे वाहनों का 29 अप्रैल से का पूर्णतया प्रवेश बंद रहेगा। डायवर्जन का समय नामांकन के दिन सुबह 07.30 बजे से शाम सात बजे तक होगा।विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आजमगढ़ रोड से आने वालें सभी वाहनों को पूर्ण रूप से प्रसाद कॉलेज तिराहा से केराकत की ओर डाइवर्ट किया जाएगा जो केराकत से जलालपुर से होकर भदोही व मिजार्पुर के लिये जायेंगें। शाहगंज व चैकिया धाम की तरफ से आनें वालें सभी वाहनों को पचहटिया तिराहा से प्रसाद तिराहा से केराकत की ओर डायवर्ट किया जायेगा जो जलालपुर से होकर भदोही व विंध्याचल के लिये जायेंगें। मछली शहर में प्रयागराजध्रतापगढ़ की तरफ से आने वालें सभी वाहनों को पकड़ी तिराहे से मड़ियाहूं की रोड पर डाइवर्ट किया जाएगा जो मड़ियाहूं रोड पर जाकर मिलेगा वहाँ से अपनें गंतव्य को जायेंगे। सुल्तानपुर रोड से आने वालें सभी वाहनों को पूर्ण रूप से बक्सा मोड़ से निचे रोक दिया जाएगा, सभी वाहन हाईवे के माध्यम से सीधे हौज होते हुये आगे जाएगें। भदोही की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को मड़ियाहूं से जलालपुर की ओर डायवर्ट किया जाएगा, वहाँ से अपनें गंतव्य को जायेंगे। वाराणसी की ओर से आने वाले सभी वाहन हौज टोल टैक्स से शहर के अंदर पूर्णतया वर्जित रहेंगे, वे हाइवे से ही अपनें गंतव्य को जायेंगे। शिवापार हाइवे से शहर के अंदर आने वाले सभी वाहन पूर्णतया वर्जित रहेंगे, वे हाइवे से ही अपनें गंतव्य को जाय।

संक्षिप्त खबरें

मुहम्मदाबाद पुलिस ने किया अपहरण से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में रविवार को वरिष्ठ उप निरीक्षक सुनील कुमार शुक्ला मय हमराह द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 86/2024 धारा- 363,366 भादवि में वांछित चल रहे अभियुक्त मो0 कैफ उर्फ गुलगुल पुत्र गुलाम पीर निवासी जफरपुरा वार्ड नं 16 थाना मु0बाद जनपद गाजीपुर उम्र 18 वर्ष को रेलवे स्टेशन यूसुफपुर के बाहर लगे बैरिकेटिंग रेलिंग के पास से* समय करीब 08.30 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में वरिष्ठ उप निरीक्षक सुनील कुमार शुक्ला थाना मुहम्मदाबाद, कांस्टेबल प्रभाकर मिश्रा थाना मुहम्मदाबाद, महिला आरक्षी सीमा देवी थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

अध्यापिकाओं ने स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम को सफल बनाया

प्रखर कछवाँरोड। वाराणसी के ब्लाक सेवापुरी ग्राम ठटरा में आज पी०एम०श्री प्राथमिक विद्यालय ठटरा प्रथम में स्कूल रेडिनेस शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन कक्षा 1 की शिक्षिकाओं (संयोगिता पांडेय और सौम्यता दूबे) द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी श्री संजय यादव,ए०आर०पी० डॉ आलोक त्रिपाठी,श्री संजय गिरी, चन्द्र बली पटेल,समस्त विद्यालय परिवार, अभिभावक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा मां सरस्वती को माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयोगिता और सौम्यता द्वारा किया गया।दोनों ए०आर०पी० ने स्कूल रेडिनेस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। खंड शिक्षा अधिकारी महोदय ने अपने मुखारविन्दु से प्रेरक उद्बोधन प्रस्तुत किया। अध्यापक अब्दुर्रहमान ने अपनी बातों से अभिभावकों को जागरूक करने का पुरा प्रयास किया। कक्षा 1 की छात्रा आसनी ने एक सुंदर गतिविधि भी प्रस्तुत किया।अंत में श्रीमती रेनू गुप्ता प्र०अ० ने धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम को समाप्त किया। मौके पर उपस्थित रहे गांव के कुछ गणमान्य लोग।

चैकिया धाम में चली लाठियां, 15 घायल

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शीतला चैकिया धाम में माला-फूल की दुकान पर पैसे के लेनदेन को लेकर दुकानदार व दर्शनार्थियों में खूनी संघर्ष हो गया। इसमें दोनों पक्ष से 15 लोग घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के बसरा गांव निवासी विमल चैहान दोपहर में करीब 12रू15 बजे अपने परिवार के कई सदस्यों के साथ चार पहिया वाहन से शीतला चैकिया धाम दर्शन करने पहुंचे। चैकिया धाम के पास ही करिया सोनकर की माला-फूल की दुकान है। विमल चैहान दुकान पर पहुंचे और माला फूल लिया। आरोप है कि दर्शनार्थी ने 20 रुपये कम दिया। इस पर दुकानदार करिया सोनकर एवं विमल चैहान के बीच लेनदेन को लेकर झड़प हो गई। झड़प इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे, ईंट पत्थर चलने लगे। इस दौरान भगदड़ की स्थिति मच गई। मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई। इसमें एक पक्ष से माला फूल के दुकानदार करिया सोनकर(38), उर्मिला देवी(47), महेश(28), दीपू(24), राहुल(22) घायल हो गए। वहीं थाना तेजीबाजार असरा गांव निवासी दर्शनार्थी विमल चैहान(37), जय प्रकाश चैहान(35), प्रेम चैहान(38), ईशान चैहान(14), सुनील चैहान(35), मोना चैहान(34), श्रीमल चैहान(24) घायल हो गए। वही इस खूनी संघर्ष में वहां मौजूद राहुल सोनकर, महेश व उर्मिला का सिर फट गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया, सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया।

लावारिश शव का कराया अंतिम संस्कार

जौनपुर। शहर स्थित हजरत हम्जा चिस्ती स्थित कब्रिस्तान पर लावारिस लाश इंतजामिया कमेटी के द्वारा मड़ियाहू थाना द्वारा पोस्ट मार्टम के बाद प्राप्त हुआ था को सुपुर्दे खाक किया गया, उक्त शव के बारे मे पुलिस ने सूचना दी की 72 घंटा पहले मृत हालत में शीतलगंज बाजार में मिला जिसको पुलिस द्वारा अखबार और टीवी पर सूचना देने पर भी जब कोई वारिस नहीं आया तो पोस्टमार्टम के बाद उक्त शव कमेटी को सौंप दिया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मास्टर मेराज ने बताया की अगर प्रशासन को कोई भी लावारिस लाश मुस्लिम समुदाय की मिलती है तो उस शव को उक्त टीम पूरे मुस्लिम रीति रिवाज से दफनाने का कार्य करती है। पुलिस प्रशासन ने बताया की किसी भी लावारिश लाश को 72 घंटे पहचान के लिए रखने के बाद उसको अंतिम संस्कार के लिए कमेटी को सौंप दिया जाता है,उक्त मिट्टी की जनाजे की नमाज हाफिज अजहर ने अदा कराई। मिट्टी में मुख्य रूप से रियाजुल हक,बख्तियार आलम, जावेद अजीम, एहतेशाम अहमद कुरेशी दक्षिण पट्टी रन्नो, सहितपुलिस विभाग से राजेंद्र अखिलेश कुमार मौजूद रहे।

18 वर्षीय किशोरी को हुआ ब्रेन हेमरेज 108 एंबुलेंस ने दिया जीवन दान पहुंचाया बीचयू वाराणसी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 108 एंबुलेंस की जब शुरूआत की गई थी तब लोगों को यह उम्मीद नहीं थी की एक दिन उनके मुसीबत में अपनी अहम भूमिका निभाएगी। जिसका नजारा आए दिन गाजीपुर में देखने को मिल रहा है। ऐसा ही कुछ शनिवार को हुआ जब एक ब्रेन हेमरेज मरीज को जिला अस्पताल से बीएचयू वाराणसी के लिए रेफर किया गया। जहां पर उसे इमरजेंसी वार्ड में दाखिल करने के बाद उसका इलाज शुरू किया गया। 102 और 108 एंबुलेंस के प्रभारी दीपक राय ने बताया कि शनिवार को मेडिकल कॉलेज स्थित जिला अस्पताल में भर्ती मरीज संध्या उम्र 18 निवासी शेखपुरा ब्लॉक कासिमाबाद के परिजनों के द्वारा फोन कर 108 एंबुलेंस के लिए डिमांड किया गया। बताया गया कि मरीज को ब्रेन हेमरेज है और उसे डॉक्टर के द्वारा वाराणसी रेफर किया गया है। इसके बाद बताए गए लोकेशन पर पायलट मुकेश कुमार और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन शशि भूषण एंबुलेंस लेकर पहुंचे। और मरीज संध्या को एंबुलेंस में शिफ्ट करने के पश्चात बीएचयू वाराणसी के लिए रवाना हुए। इस दौरान वह लोग डॉ रस्तोगी के दिशा निर्देश पर पूरे रास्ते मरीज की देखभाल करते हुए बीएचयू वाराणसी तक पहुंचाया। जहां पर उसे इमरजेंसी में एडमिट कराया इसके पश्चात उसका इलाज शुरू हुआ।

शीतलगंज से मिले लावारिश शव का इंतजामिया कमेटी ने कराया अंतिम संस्कार

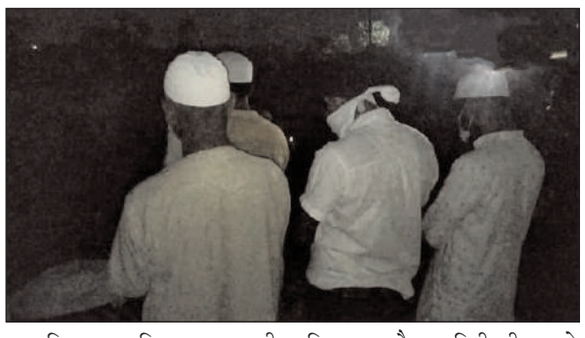

प्रखर जौनपुर। जौनपुर शहर स्थित हजरत हम्जा चिस्ती स्थित कब्रिस्तान पर लावारिस लाश इंतजामिया कमेटी के द्वारा एक शव जो मड़ियाहू थाना द्वारा पोस्ट मार्टम के बाद प्राप्त हुआ था को सुपुर्दे खाक किया गया, उक्त शव के बारे मे पुलिस ने सूचना दी की 72 घंटा पहले मृत हालत में शीतलगंज बाजार में मिला जिसको पुलिस द्वारा अखबार और टीवी पर सूचना देने पर भी जब कोई वारिस नहीं आया तो पोस्टमार्टम के बाद उक्त शव कमेटी को सौंप दिया गया। करोना काल से आज तक उक्त कमेटी सैकड़ों शव मुस्लिम समुदाय का दफन करवा चुकी है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मास्टर मेराज ने बताया की अगर प्रशासन को कोई भी लावारिस लाश मुस्लिम समुदाय की मिलती है तो उस शव को उक्त टीम पूरे मुस्लिम रीति रिवाज से दफनाने का कार्य करती है। पुलिस प्रशासन ने बताया की किसी भी लावारिश लाश को 72 घंटे पहचान के लिए रखने के बाद उसको अंतिम संस्कार के लिए कमेटी को सौंप दिया जाता है,उक्त मिट्टी की जनाजे की नमाज हाफिज अजहर ने अदा कराई। मिट्टी में मुख्य रूप से रियाजुल हक,बख्तियार आलम, जावेद अजीम, एहतेशाम अहमद कुरेशी दक्षिण पट्टी रन्नो,सहित पुलिस विभाग से राजेंद्र अखिलेश कुमार मौजूद रहे।

भाजपा मछलीशहर से बीपी सरोज पर विश्वास जातिगत समीकरण साधते हुए बनाया है उम्मीदवार

जौनपुर। मछलीशहर लोकसभा सीट पर भाजपा ने सांसद बीपी सरोज के ऊपर फिर दाव लगाया हैं। भाजपा ने जातिगत समीकरण को देखते हुए लोकसभा क्षेत्र में सरोज जाति के मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। ध्यान रखते हुए भाजपा ने यह दांव दोबारा खेला है। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा बीपी सरोज ने त्रिभुवन राम को 181 वोट से शिकस्त दी थी, भाजपा को जीत मिली थी। इस बार चुनाव में भाजपा ने फिर बीपी सरोज पर विश्वास जताया है, वहीं सपा ने जातिगत समीकरण साधने के लिए अपने पुराने नेता तूफानी सरोज के बेटी प्रिया सरोज को चुनावी जंग में उतारा है। सुप्रीम कोर्ट की युवा अधिवक्ता प्रिया सरोज के जरिए सपा ने युवाओं और पीडीए, दोनों को साधा है। बीपी सरोज बनाम प्रिया सरोज के तय मुकाबले में लड़ाई और दिलचस्प हो सकती थी, पर जब बसपा अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है जिससे बदले दौर की सियासत में मुद्दे गौण हो गए हैं ,और राजनीति की बिसात पर हर कोई जातिवाद की गोटी फिट करने में लगा है। मछलीशहर में पिछड़े और दलित

ही तय करते हैं कि जीत किसकी होगी। यहां पिछड़े और दलित मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा है। पिछड़ों में भी यादवों की संख्या सर्वाधिक है। पिछड़ों के बाद अनुसूचित जाति मतदाता दूसरे नंबर पर हैं। इसके बाद ब्राह्मण, राजपूत, कायस्थ, मुस्लिम और अन्य जाति के मतदाताओं का नंबर आता है। मछलीशहर सीट के पांच विधानसभा क्षेत्रों में 2022 के चुनाव में दो सीटों पर भाजपा और उसकी सहयोगी अपना दल को जीत मिली थी। सपा और सुभासपा को तीन सीटें हुई थी। हालांकि, अब सुभासपा के सपा को छोड़ NDA का हिस्सा होने से यहां की तीन सीटें भाजपा गठबंधन के खाते में हैं। जिससे भाजपा का पलड़ा भारी दिख रहा हैं। इसके पहले 2019 में सपा बसपा गठबंधन के बाद भी सपा को शिकस्त दी थी भाजपा ने, तब नही जीत हासिल हुआ अब तो दोनों अलग चुनाव मैदान में अपने अपने जातीय समीकरण बढ़िया बनाकर चुनाव मैदान में एक दूसरे को शिकस्त देने की होड़ लगी हैं। इसी का फायदा भाजपा को मिल सकता सवर्ण समाज का वोट बैंक के सहारे ही अपनी नैया पार कर सकते हैं।

मित्रसेन प्रधान मेमोरियल सेवा ट्रस्ट द्वारा रसूलपुर बेलवा में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। महिलाएं कमर और घुटने के दर्द से अधिक पीड़ित हैं। दिनचर्या, अपने प्रति उपेक्षा का भाव और चिकित्सकों तक पहुंचने में कठिनाई रोग को अधिक बढ़ा देता है। दिनचर्या में सुधार, व्यायाम और चिकित्सकीय परामर्श से कमर दर्द, घुटने का दर्द और हड्डियों से संबंधित रोग से निजात पाया जा सकता है। रविवार को सदर ब्लाक के रसूलपुर टी शेखपुर के पंचायत भवन पर मित्रसेन प्रधान मेमोरियल सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा शिविर में मरीजों का उपचार करने के बाद वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डा.शिवम राय ने उक्त बातें कहीं।

प्रधान कल्पना यादव के प्रतिनिधि और पत्रकार कमलेश यादव की देखरेख में आयोजित शिविर में डा. शिवम राय से उपचार के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। उन्होंने बताया कि महिलाएं अपना अधिकांश दैनिक कार्य जमीन पर बैठकर करतीं हैं। जिसकी वजह से उनके घुटने की परेशानी बढ़ती जाती है। चिकित्सक की बताई सावधानियों का पालन सभी मरीजों को करना चाहिए। शिविर की दूसरी चिकित्सक स्त्री, प्रसूति एवं

बांझपन रोग विशेषज्ञ डा. सुरभि राय ने मरीजों का इलाज करने के बाद बताया कि खून और बिटामिन्स की कमी से अधिकांश गर्भवती महिलाएं जूझ रहीं हैं। लज्जा, संकोच की वजह से गर्भ धारण करने के बहुत बाद में चिकित्सक से संपर्क में आतीं हैं। वह भी नीम हकीमों के। वह केस बिगाड़ कर हाथ खड़े कर देते हैं। ऐसे मरीज जब चिकित्सक के संपर्क में आते हैं तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। ऐसे मामलों में परिवार और पति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।उन्हें समय पर सचेत हो जाना चाहिए। शिविर में मरीजों को मुफ्त दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर के आयोजन में संजय कुमार राय सुमन, शशि यादव, जितेंद्र पाल, माधव चौहान, खरपत्तू राम,सिताब चंद, अरविंद पाल, योगेश यादव आदि का योगदान रहा। प्रधान प्रतिनिधि कमलेश यादव ने डा. शिवम राय, डा. सुरभि राय, उनकी टीम और मित्रसेन प्रधान मेमोरियल सेवा ट्रस्ट के प्रति आभार ज्ञापित किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष अविनाश प्रधान ने शिविर से लाभान्वित मरीजों, आयोजक और चिकित्सक द्वय डा.शिवम राय व डा.सुरभि राय से मिले सहयोग के प्रति प्रसन्नता का इजहार किया।

परिवार परामर्श केंद्र में प्रस्तुत हुए 14 पारिवारिक वाद जिनमें सात परिवारों की हुई विदाई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। परिवार परामर्श केंद्र गाजीपुर द्वारा पुलिस लाइंस गाजीपुर के प्रांगण में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन में कुल 14 पारिवारिक विवाद प्रस्तुत हुए इनमें नीलम देवी पत्नी इंद्रजीत कुमार निवासी प्रतापुर थाना करंडा की शिकायत थी कि उसके पति उसके ऊपर हमेशा शंका करते रहते हैं जिसके कारण दोनों लोगों के बीच में मनमुटाव पैदा हो रहा था इस पर दोनों पक्षों को समझा कर विदाई करवाई गई, दीपा कुमारी पत्नी जयप्रकाश निषाद निवासी सीताराम सदर गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति मायके से हमेशा दहेज की मांग करते रहते हैं इस पर पति-पत्नी को समझा कर विदाई करवाई गई, निशा देवी पत्नी रोशन कुमार निवासी गुरैनी थाना धानापुर जनपद चंदौली की शिकायत थी कि उसके सास ससुर हमेशा उसके साथ मारपीट करते रहते हैं इस पर पति और सास ससुर को समझाकर विदाई करवाई गई, चांदनी देवी पत्नी रोहित गौड़ निवासी खिदीरपुर थाना करंडा की शिकायत थी कि उसके पति उसके साथ हमेशा गाली गलौज करते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई, पूजा वर्मा पत्नी रवि वर्मा निवासी मलेठी थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति दहेज के लिए उसके साथ हमेशा मारपीट करते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई, सुमन पत्नी दिनेश कुमार निवासी सोनहरिया थाना करंडा गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति उसके साथ शादी के बाद कुछ समय तक अच्छा व्यवहार किये लेकिन बाद में पड़ोसी के कहने पर उसके साथ मारपीट करने लगे इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई, रेनूदेवी पत्नी अजीत कुमार निवासी बसेनिया थाना भांवरकोल गाजीपुर की शिकायत थी कि उसके पति और ससुराल पक्ष के लोग हमेशा उसे दूसरी शादी करने के लिए प्रताड़ित करते रहते हैं इस पर पति को समझा कर विदाई करवाई गई, कुशलता के बाद दो पारिवारिक विवाद बंद कर दिए गए तीन पारिवारिक विवाद में दोनों पक्ष उपस्थित नहीं थे जिसके कारण उसके निस्तारण हेतु अगली तिथि निर्धारित की गई। दो पारिवारिक विवाद को विधिक कार्रवाई का सुझाव देते हुए बंद कर दिया गया। इन सभी प्रकरण के निस्तारण में विक्रमादित्य मिश्रा, वीरेंद्र नाथ राम, सरिता गुप्ता, सोनिया सिंह, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी नीतू मिश्रा, उप निरीक्षक शशी धर मिश्रा, महिला मुख्य आरक्षी सुनीता गिरी, महिला आरक्षी रोली सिंह, महिला आरक्षी रागिनी चौबे, आरक्षी शिव शंकर यादव, प्रांतीय रक्षक दल कमला आदि लोग प्रमुख थे।

विपक्षियों के पास बौखलाहट के अलावा और मुद्दा नहीं

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। मुख्य अतिथिराज्यसभा के सांसद व प्रदेश के सह चुनाव प्रभारी संजय भाटिया रहे। मुख्य अतिथि ने तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यकताओं से अबकी बार 400 पार के लिए युद्ध स्तर पर चुनाव अभियान में लग जाने का आवाह्न किया। उन्होंने समीक्षा करते हुए कहा कि विपक्षियों के पास बौखलाहट के अलावा और कोई मुद्दा नहीं बचा है। पार्टी के कार्यकर्ता परिवार से ऊपर उठकर, पार्टी से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के लोग भारत के टुकड़े करने की मंशा के साथ राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहते हैं। हम भारत को अपनी माता मानते हैं इसलिए हम सभी भाई भाई हैं न कि जाति में बंटे हैं जाति और संप्रदाय से ऊपर उठकर हमें कार्य करना है। जातियों में बंटकर हमारा देश हजारों साल गुलाम रहा। कार्यकर्ता के दम पर ही चुनाव लड़ा जाता है और भाजपा के कार्यकर्ता मेहनत कर रहे हैं। बस इसे मंजिल तक पहुंचाना है और विजय पताका लहरानी है। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सबके विकास के लिए काम कर रही है। संगठन की ताकत आप सभी कार्यकताओं से है और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता अत्यंत अनुशासित और अपने कार्य के प्रति समर्पित होते हैं। लोकसभा प्रवासी रामचंद्र मिश्र ने कहा कि लोकसभा जौनपुर के तहत आने वाली पांचों विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर पर अब कोई कमी बाकी नहीं रहनी चाहिए। जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि चुनाव संचालन समिति में जिसको जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका ईमानदारी से निर्वहन करते हुए चुनाव अभियान तक चैन से न बैठें संचालन समिति पूरे चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण अंग है और रणनीति के तहत काम करने से सफलता मिलनी तय है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं